● वर्ष : 17 ● अंक : 181 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित | मंगलवार 21 अप्रैल 2026 | लोकतंत्र का स्तंभ

चिप्स से लेकर शिप्स तक, भारत-कोरिया मिलकर नए अवसर साकार करेंगे: प्रधानमंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और दक्षिण कोरिया ने अपने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को अपग्रेड करने के लिए बातचीत शुरू करने पर सहमति जताई। यह निर्णय वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और व्यापारिक व्यवधानों के बीच दोनों देशों के आर्थिक सहयोग को नई दिशा देने के उद्देश्य से लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग के बीच सोमवार को हैदराबाद हाउस में हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद यह घोषणा की गई। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) और अन्य महत्वपूर्ण समझौतों का आदान-प्रदान भी हुआ। हैदराबाद हाउस में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "चिप्स से लेकर शिप्स, टैलेंट से लेकर टेक्नोलॉजी, एंटरटेनमेंट से लेकर एनर्जी—भारत और कोरिया मिलकर सहयोग के नए अवसरों को साकार करेंगे।" उन्होंने इस यात्रा को द्विपक्षीय संबंधों के लिए "महत्वपूर्ण मोड़" बताते हुए कहा कि दोनों देश अपनी साझेदारी को एक "भविष्य उन्मुख" दिशा में ले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत और दक्षिण कोरिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार वर्तमान में लगभग 27

अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जिसे वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 50 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दोनों देशों ने कई अहम कदम उठाने पर सहमति व्यक्त की है, जिनमें "भारत-कोरिया वित्तीय मंच" की स्थापना भी शामिल है। डिजिटल और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए "इंडिया-कोरिया डिजिटल ब्रिज" पहल शुरू करने की घोषणा की गई है। इसके तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में संयुक्त प्रयास किए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत और कोरिया के बीच हजारों वर्ष पुराने ऐतिहासिक संबंध हैं। उन्होंने अयोध्या की राजकुमारी सूरीरत्ना और कोरिया के राजा किम-सुरो की कथा का जिक्र करते हुए इसे साझा सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि भारत में कोरियाई पॉप संस्कृति और धारावाहिकों की लोकप्रियता बढ़ रही है, जबकि कोरिया में भारतीय सिनेमा और संस्कृति के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। दोनों देशों ने वर्ष 2028 में "भारत-कोरिया मैत्री महोत्सव" आयोजित करने की भी घोषणा की, जिससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान को और बढ़ावा मिलेगा।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली का राष्ट्रपति भवन में स्वागत, राजघाट में महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भारत दौरे पर आए दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग का सोमवार को राष्ट्रपति भवन के अग्रभाग में औपचारिक स्वागत किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनका पारंपरिक तरीके से अभिनंदन किया। राष्ट्रपति ली 19 से 21 अप्रैल तक भारत की यात्रा पर हैं। इसकी जानकारी देते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर लिखा कि दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग का राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने भी सोशल मीडिया पर लिखा कि भारत-दक्षिण कोरिया विशेष सामरिक साझेदारी को आगे बढ़ाना। राष्ट्रपति ली जे-म्युंग का राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इससे पहले राष्ट्रपति

ली जे-म्युंग ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी । इसकी जानकारी देते हुए रंधीर जायसवाल ने एक्स पर लिखा कि शांति, सद्भाव और बेहतर विश्व के लिए दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी और शांति व अहिंसा के मूल्यों का सम्मान किया। उल्लेखनीय है कि भारत और दक्षिण कोरिया के बीच विशेष सामरिक साझेदारी वर्ष 2010 में शुरू हुई थी। इसके तहत दोनों देश रक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, अर्धचालक, बैटरी, साइबर सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग बढ़ा रहे हैं। दक्षिण कोरिया भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 30 अरब डॉलर से अधिक है। इस दौरान उच्च स्तरीय वार्ता होने की संभावना है, जिसमें व्यापार, रक्षा सहयोग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति व स्थिरता जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

मतदान के पहले बंगाल में छापे की राजनीति

पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान में मात्र तीन दिन का समय शेष रह गया है। पिछले 6 माह से पश्चिम बंगाल एसआईआर और ईड़ी छापे के कारण चर्चाओं में रहा है। हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक टीएमसी और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लड़ाई लड़ रही हैँ। सुप्रीम कोर्ट में ममता बनर्जी स्वयं पैरवी करने के लिए पहुंच गई। इसके बाद भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली। उल्टे एक के बाद एक, उन पर शिकंजा कसता ही चला गया। हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने कोलकाता पुलिस के डिप्टी कमिश्नर शांतनु सिन्हा जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सुरक्षा में तैनात हैं, उनके दो ठिकानों पर ईड़ी ने छापे डाले। वह अपने घर पर नहीं मिले। इसी मामले मे बिजनेस मैन जाय कामदार के ठिकाने पर छापा डालकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

उनका संबंध डिप्टी कमिश्नर शांतनु सिन्हा से जोड़कर देखा जा रहा है। ईड़ी ने कुछ दिन पहले ही टीएमसी की चुनाव रणनीति का काम देखने वाली मीडिया कंपनी आई पेक के संस्थापक को गिरफ्तार कर लिया था। खबर आई, कंपनी ने टीएमसी की चुनावी रणनीति का जो काम वह कर रही थी, उस कंपनी ने काम बंद कर दिया है। ममता बनर्जी ने इस खबर का खंडन करते हुए कहा, कंपनी अपना काम कर रही है। विपक्षी दल ने जानबूझकर चुनाव को प्रभावित करने के लिए यह झूठी खबर फैलाई है। केंद्रीय एजेंसियों द्वारा निश्चित रूप से टीएमसी के चुनाव प्रचार के अभियान में लगातार बाधा उत्पन्न की जा रही है। इससे इनकार भी नहीं किया जा सकता है। बंगाल में एसआईआर मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ट्रिब्यूनल में चल रही है। लाखों मतदाताओं को मतदान से बाहर रखा गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से मतदान के एक दिन पहले तक ट्रिब्यूनल द्वारा जिन मतदाताओं के नाम मान्य किये जा रहे हैं, उन्हें मतदान करने का अधिकार होगा।

बंगाल में पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को होना है। पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान जिस तरह की अफरा-तफरी मची है, उसको देखते हुए मतदान और चुनाव परिणाम आने के बाद पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है। चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री के सिक्योरिटी इंचार्ज पर छापा डालकर उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश टीएमसी के चुनाव को प्रभावित कर रही है। ममता बनर्जी का यह कहना चुनाव के दौरान उनकी हत्या भी हो सकती है। बड़ी चिंता का विषय है। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में सभी राजनीतिक दलों को समान एवं निष्पक्ष अवसर चुनाव लड़ने के लिए मिलें, यह पश्चिम बंगाल में होता हुआ नहीं दिख रहा है। केंद्रीय चुनाव आयोग जब चुनाव अंतिम चरण में हो, इन सारे विवादों में यदि चुप्पी साधकर रखता है तो इसका व्यापक असर जन सामान्य और चुनाव पर पड़ना तय है। पश्चिम बंगाल में चुनाव चल रहे हैं। ईड़ी के अधिकारी चुनाव कार्य में लगे हुए लोगों को दिल्ली बुलाकर मामले की पूछताछ कर रहे हैं।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

सीबीआई ने रिलायंस कम्युनिकेशंस के दो वरिष्ठ अधिकारियों को धोखाधड़ी मामले में किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लिमिटेड मामले में

रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के दो वरिष्ठ अधिकारियों डी विश्वनाथ और अनिल कल्या को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शिकायत पर दर्ज मामले में हुई है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कंपनी ने धोखाधड़ीपूर्ण गतिविधियों के जरिए बैंकों को भारी नुकसान पहुंचाया। एजेंसी रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड प्रमुख अनिल अंबानी से भी कई बार पूछताछ कर चुकी है। सीबीआई ने बताया कि रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, अनिल डी अंबानी और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ नियमित मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, कंपनी को दिए गए ऋण सुविधाओं के दुरुपयोग से एसबीआई को लगभग 2929.05 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जबकि कुल 17 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों को लगभग 19,694.33 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। जांच में सामने आया है कि कंपनी ने शेल कंपनियों के जरिए परिपत्र लेन-देन किए और समूह की इकाइयों के साथ फर्जी सेवा-संबंधी लेन-देन के लिए डिस्काउंटेड एलसी खोले, जो बाद में बैंकों पर बोझ बन गए। सीबीआई ने बताया कि डी विश्वनाथ, रिलायंस कम्युनिकेशन के संयुक्त अध्यक्ष (बैंकिंग संचालन) के प्रभारी थे और उनके निर्देश पर धन का दुरुपयोग किया गया।

उपराष्ट्रपति ने श्रीलंका में 'भारतीय आवास परियोजना' का लिया जायजा

कोलंबो/नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन अपनी श्रीलंका यात्रा के दौरान सोमवार को नुवारा एलिया पहुंचे। यहां उन्होंने भारतीय मूल के तमिल समुदाय के लिए संचालित 'भारतीय आवास परियोजना' के स्थलों का निरीक्षण किया। यह योजना भारत सरकार के वित्त पोषण से संचालित की जा रही है। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन रविवार से दो दिवसीय श्रीलंका की आधिकारिक यात्रा पर है। यह उनकी श्रीलंका की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार श्रीलंका की पहली राजकीय यात्रा पर गए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने आज श्रीलंका के नुवारा एलिया स्थित रगाला के लिडल्सडेल एस्टेट में, भारत सरकार की सहायता से 'भारतीय आवास परियोजना' (तीसरा चरण) के तहत निर्मित घरों का दौरा किया और लाभार्थियों से बातचीत की। उन्होंने भारतीय मूल के तमिल समुदाय से मिलकर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि भारत सरकार तथा भारत के लोग श्रीलंका में रहने वाले तमिल लोगों के कल्याण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता रखते हैं। भारत सरकार ने अब तक श्रीलंका के उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में रहने वाले तमिल परिवारों के साथ-साथ बागान क्षेत्रों में रहने वाले भारतीय मूल के तमिल परिवारों के लिए 50 हजार घरों का निर्माण करवाया है। 'भारतीय आवास परियोजना' के चौथे चरण के अंतर्गत 10 हजार अतिरिक्त घर उपलब्ध कराए जाएंगे।

विधानसभा चुनाव और उपचुनावों के लिए 'ड्राई-डे' घोषित

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित कराने के लिए मतदान और मतगणना के दिनों में 'ड्राई-डे' (शराबबंदी) के संबंध में सख्त निर्देश जारी किए हैं। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव के मद्देनजर दोबारा से यह निर्देश जारी किए गए हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार 15 मार्च 2026 को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव तथा 6 राज्यों में उपचुनावों की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई थी। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (पहला चरण) राज्यों में मतदान 23 अप्रैल को निर्धारित है जबकि बंगाल के दूसरे चरण के लिए मतदान 29 अप्रैल को होगा। इसके अलावा, सभी मतदान करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135सी का हवाला देते हुए आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदान समाप्त होने के निर्धारित समय से 48 घंटे पहले संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में शराब की बिक्री और वितरण पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध होटल, भोजनालयों, मधुशालाओं, दुकानों और किसी भी सार्वजनिक या निजी स्थानों पर लागू होगा।

भारत की परम्परा को समझने के लिए संस्कृत जानना अनिवार्य : मोहन भागवत

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली में संस्कृत भारती के केन्द्रीय कार्यालय का उद्घाटन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने संस्कृत वाणी को मनुष्य का कभी क्षय न होने वाला आभूषण बताया। उन्होंने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन परंपरा, ज्ञान और जीवनदृष्टि की आधारशिला है। संस्कृत के माध्यम से ही भारत की सांस्कृतिक धरोहर को सही रूप में समझा और आगे बढ़ाया जा सकता है। संघ प्रमुख ने सोमवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित संस्कृत भारती के केन्द्रीय कार्यालय 'प्रणव' का उदघाटन करते हुए यह विचार व्यक्त किए। अक्षय तृतीया के प्रातःकाल शुभ मुहूर्त में विधिविधान पूर्वक कार्यालय के उद्घाटन के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए संघ के सरसंघचालक डॉ. भागवत ने इसे अत्यंत शुभ और प्रेरणादायक क्षण बताया।

उन्होंने कहा कि इस दिन प्रारंभ होने वाले कार्य अक्षय रहते हैं, इसलिए यह कार्यालय संस्कृत के प्रसार में दीर्घकालीन भूमिका निभाएगा। उल्लेखनीय है कि 'प्रणव' नाम सृष्टि के मूल नाद का प्रतीक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भवन और संसाधन कार्य के कारण बनते हैं, न कि कार्य इनसे चलता है। कार्यकर्ताओं की निष्ठा और समर्पण ही किसी संगठन की वास्तविक शक्ति है। कार्यालय का निर्माण कार्य की प्रगति का संकेत है, लेकिन इसे उद्देश्य नहीं बल्कि साधन के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि एक जीवंत परंपरा है। इस परंपरा को समझने और आगे बढ़ाने के लिए संस्कृत का ज्ञान अनिवार्य है। संस्कृत भारती का कार्य केवल भाषा सिखाना नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और मूल्यों को समाज में स्थापित करना है। संघ प्रमुख ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि संस्कृत को कठिन मानना एक भ्रम है। भाषा सीखने का सबसे सहज तरीका संभाषण है। संस्कृत भारती द्वारा चलाए जा रहे संभाषण शिविरों ने अल्प समय में लोगों में संस्कृत के प्रति रुचि जागृत की है और यह कार्य आगे भी बढ़ाया जाना चाहिए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि संस्कृत भारत की सभी भाषाओं को जोड़ने वाली कड़ी है। हर भारतीय भाषा में संस्कृत के शब्द विद्यमान हैं, जिससे यह भाषा एकता और समन्वय का आधार बनती है।

सऊदी अरब दौरे पर एनएसए अजीत डोभाल ने द्विपक्षीय संबंध और क्षेत्रीय स्थिति पर की चर्चा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सऊदी अरब के दौरे पर रविवार को रियाद पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत भारत के राजदूत डॉ. सुहेल खान और सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय में राजनीतिक मामलों के उपमंत्री महामहिम डॉ. सऊद अल-सती ने किया। सऊदी अरब में भारत के दूतावास ने 'एक्स' पर जानकारी दी कि अजीत डोभाल ने 19 अप्रैल को रियाद का आधिकारिक दौरा किया। इसके बाद उन्होंने सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री महामहिम प्रिंस अब्दुलअज़ीज़ बिन सलमान, विदेश मंत्री महामहिम प्रिंस फैसल बिन फरहान और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार महामहिम डॉ. मुसाएद अल-ऐबान से मुलाकात की। बैठकों के दौरान दोनों पक्षों ने भारत-सऊदी अरब द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर बल दिया। साथ ही पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, क्षेत्रीय स्थिति और आपसी हितों से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

विभाजन के लिए मुसलमान नहीं, गांधी, नेहरु और पूरी कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार : ओवैसी

अहमदाबाद। एआईएमआईएम पार्टी के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने गुजरात के अहमदाबाद में रैली के दौरान देश के विभाजन (1947) को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत के विभाजन के लिए केवल मुसलमानों को जिम्मेदार ठहराना गलत होगा, बल्कि कांग्रेस भी इसके लिए जिम्मेदार थी। सांसद ओवैसी ने अपने बयान के समर्थन में पूर्व राष्ट्रपति मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की प्रसिद्ध पुस्तक इंडिया विन्स फ्रीडम का हवाला दिया। उनके अनुसार, मौलाना आजाद ने अपनी किताब में लिखा है कि उन्होंने महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरु से देश के विभाजन को रोकने की अपील की थी, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई। ओवैसी ने कहा कि इतिहास को एकतरफा तरीके से पेश करना सही नहीं है और मुसलमानों को विभाजन का दोषी बताना सही नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस पार्टी उन लोगों में शामिल नहीं थी, जिन्होंने विभाजन की प्रक्रिया में भूमिका निभाई। इसके अलावा, ओवैसी ने अपनी पार्टी एआईएमआईएम को भाजपा की "बी-टीम" कहे जाने पर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की आलोचना की। उन्होंने पश्चिम बंगाल में अपनी पार्टी द्वारा केवल 11 सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर उठ रहे सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि जब कांग्रेस और टीएमसी सैकड़ों सीटों पर चुनाव लड़ती हैं, तब एआईएमआईएम के 11 सीटों पर लड़ने से समस्या क्यों हो रही है।

सीडीएस पहुंचे लंदन, भारत-ब्रिटेन ने भविष्य के लिए तैयार रक्षा साझेदारी पर जोर दिया

एजेंसी। नई दिल्ली

जनरल चौहान को रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज का भी टूर कराया जाएगा

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान सोमवार को ब्रिटेन के आधिकारिक दौरे पर पहुंच गए। लंदन में ब्रिटेन के सीडीएस एयर चीफ मार्शल सर रिचर्ड नाइटन ने उनका स्वागत किया। दोनों सैन्य अधिकारियों ने भारत-यूके की मजबूत और भविष्य के लिए तैयार रक्षा साझेदारी पर जोर दिया। सीडीएस जनरल चौहान ने ब्रिटेन में भारत के हाई कमिश्नर विक्रम के. दोराईस्वामी से भी बातचीत की। भारत के एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय के मुताबिक चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के इस दौरे से रक्षा सहयोग मजबूत होगा। साथ ही रक्षा उद्योग और खुफिया सहयोग, साइबर सहयोग,

रणनीतिक संचार और संयुक्त अभ्यास को बढ़ावा मिलेगा। सीडीएस के इस दौरे से वैश्विक सुरक्षा, स्थिरता के लिए साझा प्रतिबद्धता को और मजबूत मिलने की उम्मीद है। उनका यह दौरा दो वैश्विक ताकतों की सेनाओं के बीच भरोसे और उम्मीद का भी संकेत है। अपनी बातचीत के दौरान दोनों देशों के सैन्य अधिकारी ट्रेनिंग, ऑपरेशन्स और डिफेंस इंडस्ट्री पार्टनरशिप में सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। नई दिल्ली में ब्रिटिश हाई कमीशन ने एक बयान में कहा कि यूके के वरिष्ठ सिविल और सैन्य अधिकारी जनरल चौहान के दौरे के दौरान उनसे बातचीत करेंगे। ब्रिटिश रक्षा उद्योग के प्रतिनिधि दोनों देशों के बीच ज्यादा रक्षा सह-उत्पादन पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए उनसे मिलेंगे। जनरल चौहान को रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज का भी टूर कराया जाएगा, जहां वे छात्रों के एक बहुराष्ट्रीय समूह से मिलेंगे। यह किसी भारतीय सीडीएस का यूके का पहला आधिकारिक दौरा है और इस साल यूके-भारत की पांचवीं वरिष्ठ सैन्य बैठक है।

सरकार का घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाने पर जोर

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने एक बार कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बावजूद घरेलू एलपीजी, पेट्रोल-डीजल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति सामान्य है। बंदरगाहों का संचालन सुचारु है और ग्रामीण रोजगार व आवास योजनाओं को गति दी जा रही है। पश्चिम एशिया में संकट के चलते घरेलू गैस की आपूर्ति के सामने चुनौती पैदा हो गई । इसलिए घरेलू एलपीजी के उत्पादन में बढ़ोत्तरी करने की योजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने सोमवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में नियमित होने वाली अंतरमंत्रालयी पत्रकार वार्ता में कहा कि घरेलू एलपीजी आपूर्ति में कोई कमी नहीं है। वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति लगभग 70 प्रतिशत तक सुधरकर प्रतिदिन 7000 टन तक पहुंच गई है। ऑटो एलपीजी की बिक्री भी बढ़कर 350 टन प्रतिदिन हो गई है। 3 अप्रैल से अब तक 7000 जागरूकता शिविर आयोजित

किए गए हैं और करीब 1 लाख छोटे सिलेंडर वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 23 मार्च से अब तक 1.84 करोड़ सिलेंडर की आपूर्ति की गई है। प्राकृतिक गैस को घरेलू उपयोग और सीएनजी परिवहन के लिए प्राथमिकता दी जा रही है। 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पीएनजी नेटवर्क को समर्थन देने के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त वाणिज्यिक एलपीजी दी जा रही है। अब तक 39 हजार से अधिक उपभोक्ता एलपीजी से पीएनजी में स्थानांतरित हो चुके हैं। पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सामान्य है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। मंत्रालय ने बताया कि 267 एलपीजी वितरकों पर जुर्माना लगाया गया है और 67 को निलंबित किया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने 19 अप्रैल को सऊदी अरब का आधिकारिक दौरा किया। उन्होंने सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री, विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से मुलाकात की। इन बैठकों में द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा, क्षेत्रीय स्थिति और आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा हुई। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के निदेशक मनदीप सिंह रंधावा ने कहा कि भारतीय ध्वज वाला कच्चा तेल टैंकर देशकरीमा 97,422 मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर 18 अप्रैल को होरमुज़ जलडमरूमध्य से सुरक्षित निकला और 22 अप्रैल को मुंबई पहुंचने की उम्मीद है। जहाज पर 31 भारतीय नाविक सवार हैं।

उधमपुर में अनियंत्रित होकर बस खाई में गिरी, 16 की मौत; कई घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में एक यात्री बस खाई में गिर गई है। इस भीषण हादसे में 16 लोगों की जान जाने की खबर है, जबकि कई यात्री घायल हुए हैं। यह घटना तब हुई, जब बस रामनगर से उधमनगर जा रही थी। जानकारी के मुताबिक ऊंची पहाड़ी पर बने रोड से गुजरती हुई बस का एक खतरनाक मोड़ के पास नियंत्रण खो गई। यह हादसा सोमवार सुबह 10 बजे के करीब हुआ। हादसे के बाद बचाव अभियान जारी है। कई लोगों को इस घटना के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना को लेकर जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह हादसा बेहद दुखद है। मेरी संवेदनाएं मृतकों के साथ हैं। मैं पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। इसके अलावा घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना करता हूं। वहीं केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी इस घटना को लेकर एक्स पर पोस्ट में लिखा कि मेरी उधमपुर के डिप्टी कमिश्नर से बात हुई है। उनका कहना है कि रेस्क्यू ऑपरेशन समय रहते शुरू हो गया था और घायलों को उचित इलाज दिया जा रहा है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की सुभाष चंद्र बोस को 'राष्ट्रीय पुत्र' घोषित करने की मांग

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को राष्ट्रीय पुत्र घोषित करने और आजाद हिन्द फौज को आजादी का श्रेय देने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाते हुए कहा कि वो न्यायिक समय को बर्बाद कर रहे हैं। सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने याचिकाकर्ता पिनाकपानी मोहंती को फटकार लगाते हुए कहा कि आपको उच्चतम न्यायालय में प्रवेश करने पर रोक लगाई जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि ऐसी याचिका हम पहले ही खारिज कर चुके हैं। पहले भी कोर्ट याचिकाकर्ता को फटकार लगा चुकी है। जब मुख्य न्यायाधीश ने कोर्ट से पूछा कि क्या आपने इसके पहले भी याचिका दाखिल की थी तो याचिकाकर्ता ने कहा कि इस बार अलग है। तब कोर्ट ने पूछा कि याचिका किसने ड्राफ्ट किया है। तब याचिकाकर्ता ने कहा कि मुखर्जी सर ने। याचिका में कहा गया था कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिन्द फौज ने 1947 में देश की आजादी हासिल की थी, इसलिए नेताजी को राष्ट्रीय पुत्र घोषित किया जाए। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि याचिकाकर्ता इस याचिका की आड़ में पब्लिसिटी चाहता है। उसके बाद कोर्ट ने रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि वो इस तरह की याचिकाएं स्वीकार न करें।

सीलमपुर में बुजुर्ग की चाकू मारकर हत्या, बदले की कार्रवाई में आरोपित घायल

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में सोमवार सुबह पुरानी रंजिश के चलते हिंसक झड़प में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जबकि बदले की कार्रवाई में आरोपित और उसके परिजन भी घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है और पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार, 20 अप्रैल को सुबह करीब 8:30 बजे सूचना मिली कि चाकू के वार से घायल एक व्यक्ति को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल लाया गया है। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस की टीम अस्पताल पहुंची, जहां चिकित्सकों ने इस्माइल को मृत घोषित कर दिया। जांच में सामने आया कि सुबह इस्माइल अपने घर के पास मोहम्मद इरशाद के साथ बैठा हुआ था। इसी दौरान आरोपित दानिश वहां से गुजर रहा था। बताया जा रहा है कि इस्माइल के देखने पर, दोनों के बीच पहले से चली आ रही रंजिश के चलते गाली-गलौज शुरू हो गई, जो जल्द ही झगड़े में बदल गई। इसी दौरान शाहिद अली नामक व्यक्ति मौके पर पहुंचा और झगड़ा शांत कराने की कोशिश की, लेकिन आरोपित ने उसके साथ मारपीट की, जिससे उसकी आंख में चोट आई। इसके बाद दानिश चाकू लेकर आया और इस्माइल के सीने, पेट और सिर पर कई वार कर दिए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के बेटे जफर उर्फ जीशान और फैजान मौके पर पहुंचे और बदले की नीयत से आरोपित दानिश व उसके परिजनों पर हमला कर दिया। इस झड़प में दानिश के सीने सहित शरीर के अन्य हिस्सों पर चोटें आईं। घायल दानिश को भी जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। दोनों पक्षों के आरोपितों की पहचान कर ली गई है और पूरे घटनाक्रम की गहनता से जांच की जा रही है। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

युवा अधिवक्ता ने 15वीं मंजिल से कूदकर दी जान

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। नई दिल्ली जिले के कनॉट प्लेस क्षेत्र में स्थित होटल द रॉयल प्लाजा में एक युवा अधिवक्ता द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई। नई दिल्ली जिले के पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा के अनुसार, 19 अप्रैल की रात लगभग 9:15 बजे दिल्ली पुलिस को सूचना मिली कि होटल में एक युवक ने ऊंचाई से छलांग लगा ली है। सूचना मिलते ही थाना कनॉट प्लेस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और गंभीर अवस्था में उसे तुरंत लेडी हार्डिंग चिकित्सा महाविद्यालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच के दौरान मृतक की पहचान राजेश सिंह (26) के रूप में हुई, जो दिल्ली के ही महावीर एन्क्लेव का निवासी था और दिल्ली उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में कार्यरत था। बताया गया है कि वह 18 अप्रैल की शाम से होटल में ठहरा था। पुलिस के अनुसार अपराध जांच दल और विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम ने मौके का निरीक्षण किया है। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए गए हैं तथा होटल परिसर में लगे निगरानी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि घटना की पूरी सच्चाई सामने आ सके। पुलिस के अनुसार, मृतक के परिजनों ने किसी भी प्रकार के साजिश या संदिग्ध परिस्थिति से इनकार किया है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। शव को परीक्षण के लिए सुरक्षित रखवा दिया गया है। पुलिस ने बताया कि परीक्षण रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की याचिका पर सुनवाई 25 मई को

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली ईडी की याचिका पर सुनवाई टाल दी है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 25 मई को करने का आदेश दिया। ईडी ने ट्रायल कोर्ट के 16 दिसंबर, 2025 के आदेश को चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने ईडी की याचिका पर सुनवाई करते हुए 22 दिसंबर को सोनिया गांधी और राहुल गांधी समेत दूसरे आरोपितों को नोटिस जारी किया था। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 16 दिसंबर, 2025 को सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि किसी निजी शिकायत को आधार बनाकर ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान नहीं लिया जा सकता है। ट्रायल कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा था कि जिन लोगों ने कांग्रेस को दान दिया, उनके साथ धोखाधड़ी की गयी। ईडी ने कहा कि जिन लोगों ने दान दिया उनमें से कुछ को टिकट दिए गए। एएसजी एसवी राजू ने गांधी परिवार की ओर से दलीलों का विरोध किया था कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) पर उनका कोई नियंत्रण नहीं था। उन्होंने कहा कि एजेएल ही मूल रूप से नेशनल हेराल्ड की प्रकाशक थी। इस मामले में राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील आरएस चीमा ने कहा था कि कांग्रेस ने एजेएल को बेचने की कोशिश नहीं की थी, बल्कि वो इस संस्था को बचाना चाहती थी, क्योंकि वो स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा थी। चीमा ने कहा था कि ईडी एजेएल के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन क्यों नहीं दिखा रही है। एजेएल की स्थापना जवाहर लाल नेहरू, जेबी कृपलानी, रफी अहमद किदवई और दूसरे कांग्रेस नेताओं ने 1937 में की थी। चीमा ने कहा था कि एजेएल के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन में कहा गया है कि उसकी सभी नीतियां कांग्रेस की होंगी। सोनिया गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि ईडी ने एक आश्चर्यजनक और अप्रत्याशित मामला बनाया। उन्होंने कहा था कि ईडी ने आश्चर्यजनक से भी ज्यादा मामला बनाया है। ये मनी लॉन्ड्रिंग का ऐसा मामला है जिसमें संपत्ति का कोई जिक्र नहीं है। सिंघवी ने कहा था कि यंग इंडियन ने पूरी कार्रवाई एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड को कर्ज मुक्त करने के लिए किया। उन्होंने कहा था कि हर कंपनी अपने को कर्ज मुक्त करने के लिए कानून के मुताबिक कदम उठाती है। सिंघवी ने कहा था कि ईडी ने सालों तक कुछ नहीं किया और किसी निजी शिकायत को आधार बनाकर कार्रवाई शुरू कर दी।ईडी ने 15 अप्रैल 2025 को कोर्ट में अभियोजन शिकायत दाखिल की थी। ईडी ने इस मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और सैम पित्रोदा को आरोपित बनाया है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग कानून की धारा 44 और 45 के तहत शिकायत दाखिल की है।

गोल्फ लिंक डकैती कांड का खुलासा, तीन आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। नई दिल्ली जिले के पॉश इलाके गोल्फ लिंक में हुई डकैती की वारदात का दिल्ली पुलिस ने खुलासा कर दिया है। तुगलक रोड थाना पुलिस ने इस मामले में तीन मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बहु-राज्यीय छापेमारी और तकनीकी जांच के जरिए इस वारदात को सुलझाने में सफलता हासिल की है। फिलहाल अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। नई दिल्ली जिले के पुलिस उपायुक्त ने सोमवार को बताया कि 17 अप्रैल की रात करीब 8:30 बजे गोल्फ लिंक इलाके से डकैती की सूचना मिली थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उनके घर में हाल ही में काम पर रखा गया घरेलू सहायक सुशील ही इस वारदात का मुख्य सूत्रधार निकला। उसने जानबूझकर घर का मुख्य दरवाजा खोलकर अपने 5-6 साथियों को अंदर बुलाया। इसके बाद

शांति सेवा न्याय
Delhi Police
SHANTI SEWA NYAYA

आरोपितों ने घर में घुसकर परिवार के सदस्यों को डराया-धमकाया और आभूषण, नकदी सहित कीमती सामान लूट लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। इस मामले को सुलझाने के लिए थाना तुगलक रोड, साइबर टीम और स्पेशल स्टाफ की संयुक्त टीमों का गठन किया गया। पूरी जांच वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में की गई। पुलिस ने सबसे पहले घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला, जिससे आरोपितों के भागने के तरीके और दिशा का सुराग मिला। जांच के दौरान पता चला कि आरोपित एक मारुति सुजुकी अर्टिगा वाहन में सवार होकर फरार हुए थे। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी निगरानी और डाटा विश्लेषण के जरिए उस वाहन की गतिविधियों का पता लगाया। इसी आधार पर अलग-अलग टीमों को विभिन्न राज्यों में भेजा गया। पुलिस टीमों ने मुंबई और उप्र में छापेमारी की। 19 अप्रैल को मुंबई में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो मुख्य आरोपित गुड्डू कुमार कामत उर्फ राजू और रमन कामत को गिरफ्तार कर लिया। वहीं दूसरी टीम ने उप्र में दबिश देकर अमित सिंह उर्फ गब्बर को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपित गुड्डू कुमार कामत (35) बिहार के सुरियाही गांव का रहने वाला है और पहले भी डकैती व लूट के कई मामलों में शामिल रहा है। वह घरेलू नौकर के रूप में काम करके घरों की रेकी करता था और फिर अपने साथियों के साथ वारदात को अंजाम देता था। वहीं रमन कामत (38), जो उसी गांव का निवासी है। घटना से कुछ दिन पहले ही पीड़ित के घर में काम पर लगा था और उसने अंदर की जानकारी अपने साथियों को दी। तीसरा आरोपित अमित सिंह उर्फ गब्बर (30) संगम विहार का निवासी है। वह एक कुख्यात वाहन चोर है और उसके खिलाफ 19 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, उसे गिरोह में विशेष रूप से वाहन और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं करने के लिए शामिल किया गया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ जारी है और उनसे गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है। फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस पूरे ऑपरेशन का नेतृत्व एसीपी तुगलक रोड के निर्देशन में किया गया और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा इसकी लगातार निगरानी की गई। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस गिरोह के बाकी सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कांग्रेस ने मणिपुर में दो बच्चों की हत्या सहित हालिया हिंसक घटनाओं की जल्द से जल्द जांच की मांग की

शांति बहाली, समयबद्ध न्याय और पीड़ितों के लिए पर्याप्त मुआवज़े की मांग दोहराई

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: मणिपुर में नए सिरे से हिंसा भड़कने के बाद कांग्रेस ने राज्य में शांति बहाली के लिए तत्काल कदम उठाए जाने और एक समयसीमा के भीतर न्याय सुनिश्चित करने वाली जांच की मांग की है। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए मणिपुर से कांग्रेस सांसद ए. बिमोल अकोइजाम ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने शांति बहाल करने और लोगों की जान की रक्षा करने की अपनी ज़िम्मेदारी पूरी तरह छोड़ दी है। उन्होंने कहा कि मणिपुर पिछले तीन वर्षों से जल रहा है, लेकिन मोदी सरकार इसे देश का हिस्सा मानने के बजाय दूसरे देश की तरह व्यवहार कर रही है। मणिपुर में हालिया हत्याओं और जारी अशांति को लेकर पार्टी ने राज्यपाल के माध्यम से प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन दिया है, जिसमें तत्काल सरकारी हस्तक्षेप और समयसीमा के भीतर जांच की मांग की गई है। अकोइजाम

ने बताया कि 7 अप्रैल को मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के ट्रोंगलाओबी गांव में एक प्रोजेक्टाइल हमला हुआ, जिसमें दो छोटे बच्चों की मौत हो गई और उनकी मां घायल हो गई। उन्होंने कहा कि यह घटना इस बात का सबूत है कि मणिपुर में हिंसा में कमी नहीं आई है और स्थिति अब भी नियंत्रण से बाहर है।

पेड़ों से जुड़े अपराधों पर सख्ती, दिल्ली सरकार ने धारा 33 के तहत जारी की व्यापक एसओपी

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने पेड़ों से जुड़े अपराधों से निपटने के लिए व्यापक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) अधिसूचित कर दी है। मुख्यमंत्री ने इस पहल को दिल्ली की हरियाली की रक्षा और पेड़ संरक्षण कानूनों के सख्त प्रवर्तन की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय बताया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोमवार को जानकारी दी की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वन एवं वन्यजीव विभाग को लेकर दिल्ली प्रिजर्वेशन ऑफ ट्रीज एक्ट 1994 की धारा 33 के अंतर्गत एसओपी अधिसूचित की। इसके तहत पेड़ों की अवैध कटाई, क्षति पहुंचाने और अनधिकृत गतिविधियों की रोकथाम, पहचान और अभियोजन के लिए एक मजबूत,

पारदर्शी और समयबद्ध तंत्र स्थापित करती है। उन्होंने कहा कि इस एसओपी के लागू होने से कानून उल्लंघन के प्रत्येक मामले में प्रभावी और जवाबदेह कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि एसओपी के तहत एक सुदृढ़ त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली विकसित की गई है, जिसके माध्यम से नागरिक टोल फ्री हेल्पलाइन, ऑनलाइन पोर्टल और ऑफलाइन माध्यमों से शिकायत दर्ज करा सकेंगे। सभी शिकायतें वास्तविक समय में संबंधित फील्ड अधिकारियों तक प्रेषित की जाएंगी, जिससे तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि मुख्यालय और डिवीजन स्तर पर गठित क्विक रिस्पॉन्स टीमें (क्यूआरटी) निर्धारित समय सीमा में मौके पर पहुंचकर आगे होने वाले नुकसान को रोकेंगी। साथ ही, जियो टैग्ड फोटो और वीडियो के माध्यम से साक्ष्य का वैज्ञानिक संकलन करेंगी। रेखा गुप्ता ने कहा कि एसओपी के अंतर्गत फील्ड स्तर पर प्रवर्तन को और अधिक सशक्त किया गया है। वन विभाग के अधिकारी, जिनमें बीट ऑफिसर और ट्री ऑफिसर शामिल उल्लंघनों को रोकने के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करने, अपराध में प्रयुक्त उपकरणों को जब्त करने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करने के अधिकार प्रदान किए गए हैं। जिससे पेड़ संरक्षण से जुड़े मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई संभव हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित करने के लिए मुख्यालय स्तर पर फॉरेस्ट कंट्रोल रूम और डिवीजन स्तर पर डिवीजन कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। जो चौबीसों घंटे कार्य करेंगे। इन कंट्रोल रूम को आवश्यक अवसंरचना से सुसज्जित किया गया है ताकि शिकायतों की निरंतर निगरानी की जा सके और विभिन्न आपात सेवाओं के साथ समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार ने ग्रीन हेल्पलाइन नंबर 1800118600 को दोबारा सक्रिय किया है। साथ ही, ग्रीन हेल्पलाइन पोर्टल भी है। उन्होंने कहा कि इन्हें व्यापक स्तर पर प्रचारित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इसका उपयोग कर सकें।मुख्यमंत्री ने बताया कि ग्रीन हेल्पलाइन पोर्टल पूरी तरह कार्यरत है, जो शिकायत दर्ज करने और उसकी प्रगति की निगरानी के लिए सुलभ मंच प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पर्यावरण संरक्षण संबंधी विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि 'प्रकृति के साथ विकास' का उनका दृष्टिकोण देश के लिए प्रेरणास्रोत है। हरित भारत और सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रेरित होकर दिल्ली सरकार भी ठोस कदम उठा रही है। यह एसओपी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी की हरित संपदा की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और पेड़ संरक्षण कानूनों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त, पारदर्शी और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाएं और किसी भी प्रकार के उल्लंघन की सूचना तत्काल संबंधित तंत्र को दें ताकि समय रहते प्रभावी कदम उठाए जा सकें।

हाई कोर्ट की जज स्वर्णकांता शर्मा ने नरेश बाल्यान के मामले से खुद को किया अलग

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय की जज जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने पूर्व आम आदमी पार्टी विधायक नरेश बाल्यान की मकोका के मामले में दायर जमानत याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। इस मामले पर अब कोई दूसरी बेंच 23 अप्रैल को सुनवाई करेगी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 25 जून, 2025 को नरेश बाल्यान की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था। नरेश बाल्यान ने इसके पहले भी उच्च न्यायालय में जमानत याचिका दायर की थी, लेकिन इस मामले में चार्जशीट दाखिल होने के बाद जमानत याचिका वापस ले ली गई थी। उसके बाद बाल्यान ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 27 मई, 2025 को बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उसके बाद बाल्यान ने उच्च न्यायालय में जमानत याचिका दायर की है।दरअसल, वसूली के मामले में 4 दिसंबर, 2024 को नरेश बाल्यान को जमानत मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने मकोका के मामले में गिरफ्तार कर लिया था। दिल्ली पुलिस ने वसूली के मामले में नरेश बाल्यान को 30 नवंबर, 2024 की रात गिरफ्तार किया था। इससे पहले भाजपा ने नरेश बाल्यान

का एक ऑडिया क्लिप जारी किया था, जिसमें गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू और बाल्यान के बीच बातचीत थी।दिल्ली पुलिस के मुताबिक नरेश बाल्यान और गैंगस्टर के बीच बातचीत का ये मामला 2023 का है। इसे लेकर 2023 में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। कपिल सांगवान एक कुख्यात गैंगस्टर है, जो फिलहाल ब्रिटेन में रह रहा है। कपिल सांगवान और नरेश बाल्यान दोनों दिल्ली के नजफगढ़ के रहने वाले हैं। कपिल सांगवान हरियाणा के नफे सिंह हत्याकांड का भी मास्टरमाइंड है। उसे बल्लू पहलवान और भाजपा नेता सुरेंद्र मटियाला की हत्या का भी मास्टरमाइंड माना जाता है।

महिला आयोग ने एसिड पीड़िताओं के बचाव और पुनर्वास की व्यापक सिफारिश की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने एसिड अटैक पीड़िताओं के लिए देखभाल, न्याय और पुनर्वास को मजबूत बनाने के लिए सोमवार को केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों को व्यापक सिफारिशें सौंपी। ये सिफारिशें 16 जनवरी 2026 को आयोजित "नवजीवनः एसिड अटैक पीड़ित के लिए देखभाल, न्याय और गरिमा पर एक परामर्श" के आधार पर तैयार की गई हैं। आयोग द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार रिपोर्ट में पीड़ितों के लिए एक समग्र और संवेदनशील ढांचा प्रस्तावित किया है, जिसमें इलाज से लेकर कानूनी सहायता और सामाजिक पुनर्वास तक के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है।आयोग ने स्वास्थ्य क्षेत्र में सभी अस्पतालों में गोल्डन आवर प्रोटोकॉल लागू करने, एसिड अटैक पीड़िताओं को मुफ्त और आजीवन इलाज देने तथा विशेष उपचार केंद्र स्थापित करने की सिफारिश की है। साथ ही आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज और टेलीमेडिसिन सेवाओं को भी जोड़ने पर जोर दिया गया है। कानूनी मोर्चे पर आयोग ने मामलों की फास्ट-ट्रैक सुनवाई, जीरो एफआईआर को अनिवार्य बनाने और विशेष कानूनी अधिकारियों की नियुक्ति की मांग की है। इसके अलावा "एसिड अटैक पीड़ितों के लिए विधेयक, 2022" को जल्द लागू करने पर भी बल दिया गया है। मुआवजे और आर्थिक सहायता के तहत आयोग ने पूरे देश में एक समान मुआवजा व्यवस्था, समयबद्ध भुगतान, मासिक पेंशन और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से सीधे भुगतान की व्यवस्था का सुझाव दिया है। रिपोर्ट में पीड़ितों के लिए रोजगार, स्किल डेवलपमेंट, शिक्षा और उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ-साथ समाज में उनकी गरिमा और स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान चलाने की भी सिफारिश की गई है। इसके अलावा, दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत एसिड अटैक पीड़ितों को दिव्यांगता श्रेणी में शामिल करने और सभी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने की बात कही गई है। आयोग ने एसिड की बिक्री पर सख्त नियंत्रण, विष अधिनियम, 1919 में संशोधन और एक राष्ट्रीय स्तर की केस ट्रैकिंग प्रणाली विकसित करने की भी सिफारिश की है। आयोग ने संबंधित मंत्रालयों से इन सिफारिशों को जल्द लागू करने की अपील की है, ताकि एसिड अटैक पीड़ितों को समय पर इलाज, न्याय और सम्मानजनक जीवन मिल सके।

अल्ट्रावायलेट ने नई दिल्ली में दूसरे एक्सपीरियंस सेंटर के लॉन्च के साथ मजबूत की अपनी मौजूदगी, राष्ट्रीय राजधानी में इलेक्ट्रिफिकेशन ड्राइव को मिलेगी रफ्तार

लोकतंत्र की शान

- एक्स-47 क्रॉसओवर और एफ77 अब दक्षिण दिल्ली में नए लॉन्च हुए यूवी स्पेस स्टेशन के जरिए बिक्री के लिए उपलब्ध
- नई दिल्ली में यूवी स्पेस स्टेशन के लॉन्च से देशभर के 35 शहरों में अल्ट्रावायलेट की मौजूदगी और मजबूत हुई
- ग्राहकों को एंड-टू-एंड जरूरतों के लिए मिलेगा इमर्सिव ब्रांड अनुभव
- पर्सनलाइज्ड टेस्ट राइड और सर्विसः एक्सपीरियंस सेंटर में विशेष टेस्ट राइड और बिक्री सुविधाएं उपलब्ध

नई दिल्ली। अल्ट्रावायलेट ऑटोमोटिव ने आज दक्षिण दिल्ली में एक नए यूवी स्पेस स्टेशन के लॉन्च की घोषणा की, जो भारत के उभरते मोबिलिटी बाजारों में अपने रिटेल और सर्विस नेटवर्क के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विस्तार हाल ही में कंपनी द्वारा एक्स-47 क्रॉसओवर, यूवी क्रॉसफेड कार्बन-फाइबर हेलमेट और हाल ही में घोषित 'बैटरी फ्लेक्स' (BaaS) प्लेटफॉर्म जैसे उत्पादों और तकनीकी उपलब्धियों के बाद किया गया है। यह कंपनी के व्यापक, परफॉर्मेंस-ड्रिवन इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इकोसिस्टम बनाने के फोकस को और मजबूत करता है। इस नए सेंटर के साथ कंपनी ने नई दिल्ली में अपने ग्राहकों की पहुंच को और बढ़ाया है और अपनी राष्ट्रीय उपस्थिति को मजबूत किया है। डीलर मोटो पावर मोबिलिटी एलएलपी के साथ साझेदारी में स्थापित यह नया यूवी स्पेस स्टेशन ग्राहकों को अल्ट्रावायलेट की परफॉर्मेंस मोटरसाइकिलों—एक्स-47 क्रॉसओवर और एफ77—का व्यापक अनुभव प्रदान करेगा। यूवी स्पेस स्टेशन को ग्राहकों को एक इमर्सिव अनुभव देने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें टेस्ट राइड, बिक्री और मोटरसाइकिल एक्सेसरीज़—सभी एक छत के नीचे—उपलब्ध होंगी। इस एक्सपीरियंस सेंटर में कंपनी की परफॉर्मेंस मोटरसाइकिलें एक्स-47 क्रॉसओवर और एफ77 प्रदर्शित की जाएंगी। ये उत्पाद 40.2 hp की पावर और 100 Nm टॉर्क वाले पावरट्रेन के साथ इलेक्ट्रिक परफॉर्मेंस को नई परिभाषा देते हैं, जो केवल 2.8 सेकंड में 0 से 60 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकते हैं। 10.3 kWh बैटरी से लैस यह मोटरसाइकिल एक बार चार्ज करने पर 323 किमी की आईडीसी रेंज प्रदान करती है।

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए अल्ट्रावायलेट के सीईओ और सह-संस्थापक नारायण सुब्रमण्यम ने कहा, "दिल्ली हमेशा बदलाव के अग्रिम मोर्चे पर रही है, और प्रदूषण के दीर्घकालिक प्रभाव से निपटने के लिए सरकार द्वारा इलेक्ट्रिफिकेशन को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना—शहर की सतत और स्वच्छ भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यहां हमारे दूसरे एक्सपीरियंस सेंटर का लॉन्च, इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग और प्रमुख बाजारों में हमारी उपस्थिति को गहरा करने की हमारी प्रतिबद्धता का मजबूत संकेत है। हम ग्राहकों में तकनीक, डिज़ाइन और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की स्पष्ट बदलाव देख रहे हैं, और दिल्ली इस बदलाव का प्रतीक है। जैसे-जैसे हम भारतभर में विस्तार कर रहे हैं, हमारा

फोकस एक मजबूत, भविष्य-तैयार इकोसिस्टम बनाने और विश्वस्तरीय ओनरशिप अनुभव देने पर बना रहेगा।" अल्ट्रावायलेट की गहरी इंजीनियरिंग और प्लेटफॉर्म-आधारित नवाचार पर आधारित एक्स-47 क्रॉसओवर अपने सेगमेंट की दुनिया की पहली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल है, जिसमें रडार स्टैंडर्ड फीचर के रूप में दिया गया है। यह परफॉर्मेंस इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों के डिज़ाइन और अनुभव में एक बड़ा बदलाव दर्शाता है।इस मोटरसाइकिल में 5-इंच टीएफटी डिस्प्ले, तीन अलग-अलग राइड मोड, लॉन्ग-ट्रैवल सस्पेंशन और इंडस्ट्री-फर्स्ट रेडियल ऑल-टेरेन टायर्स जैसे फीचर्स दिए गए हैं, जो विभिन्न सड़क परिस्थितियों में बेहतर स्थिरता, नियंत्रण और आत्मविश्वास प्रदान करते हैं। एडवांस्ड सेफ्टी और इंटेलिजेंस के लिए इसमें अल्ट्रावायलेट की यूवी रडार इंटेलिजेंस दी गई है, जो 77 GHz रियर रडार और यूवी हाइपरसेंस एडवांस्ड राइडर असिस्टेंस सिस्टम से लैस है। इसके जरिए ब्लाइंड-स्पॉट मॉनिटरिंग, लेन चेंज असिस्ट, ओवरटेक अलर्ट और रियर कोलिजन वार्निंग जैसी सुविधाएं मिलती हैं। एक्स-47 क्रॉसओवर में दुनिया का सबसे पावर-डेंस एयर-कूल्ड ऑनबोर्ड चार्जर भी शामिल है, जिसे अल्ट्रावायलेट ने इन-हाउस इंजीनियर, डेवलप और डिज़ाइन किया है। साथ ही इसमें इंटीग्रेटेड डैशकैम सिस्टम भी दिया गया है। इस इंजीनियरिंग-आधारित दृष्टिकोण ने कंपनी को ईवी मोटरसाइकिल ऑफ दि ईयर जैसे कई प्रमुख ऑटोमोटिव पुरस्कार दिलाए हैं, जो भारत से वैश्विक स्तर की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधान बनाने की उसकी महत्वाकांक्षा को मजबूत करता है। उन्नत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अधिक सुलभ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत, अल्ट्रावायलेट ने हाल ही में 'बैटरी फ्लेक्स' (BaaS) पेश किया है, जो एक लचीला ओनरशिप मॉडल है। इसका उद्देश्य परफॉर्मेंस इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों के लिए एंट्री बैरियर को कम करना और ग्राहकों को बैटरी उपयोग एवं स्वामित्व में अधिक लचीलापन देना है। इस नई पहल के तहत ग्राहक अब केवल 1,49,000 की शुरुआती कीमत पर अल्ट्रावायलेट एक्स-47 क्रॉसओवर खरीद सकते हैं, जबकि बैटरी सब्सक्रिप्शन मात्र 2499 प्रति माह से शुरू होता है। इस मॉडल में ग्राहक बाइक के चेसिस का भुगतान करते हैं, जबकि बैटरी को अलग मासिक सब्सक्रिप्शन शुल्क के तहत फाइनेंस किया जाता है। यह पहल भारत में ईवी अपनाने को तेज करने की दिशा में कंपनी के इकोसिस्टम-आधारित दृष्टिकोण को और मजबूत करती है।

संक्षिप्त समाचार

श्री गंगा सेवा समिति हसनपुर के पदाधिकारीयो ने गंगोत्री धाम की यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण की

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः बता ते चले कि श्री गंगा सेवा समिति (रजिस्टर्ड) हसनपुर के पदाधिकारीयो ने उत्तरकाशी स्थित गंगोत्री धाम पहुंचकर मां गंगा का आशीर्वाद प्राप्त किया, श्री गंगा सेवा समिति (रजिस्टर्ड) हसनपुर के अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल तथा विशालदीप गुप्ता, संदीप गुप्ता एवं मोहित अग्रवाल ने गंगोत्री धाम की पावन यात्रा सफलतापूर्वक सोमवार को पूर्ण कर ली, इस दौरान सभी ने मां गंगा के चरणों में श्री गंगा सेवा समिति हसनपुर के समस्त सदस्यों एवं हसनपुर नगर वासियों के कल्याण तथा सुख समृद्धि के लिए विशेष प्रार्थना की, बता देते हैं कि उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित यह धाम हसनपुर से लगभग 400 किलोमीटर दूर है तथा इस पवित्र स्थल को अक्षय तृतीया से दीपावली तक के लिए ही खोला जाता है, ग्रंथो के अनुसार भगवान शिव ने इसी स्थान पर मां गंगा को अपनी जटाओं में उतार कर धरती पर अवतरित किया था, जिसे भागीरथी नदी भी कहते हैं,यहां गंगोत्री मंदिर, गोमुख ग्लेशियर विशेष दार्शनिक स्थल हैं 1 वही यह धार्मिक स्थल चार धाम यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है 1

रामपुरः जिलाधिकारी अजय द्विवेदी ने जनसुनवाई कर सुनीं समस्याएं, आयुष्मान कार्ड भी किए वितरित

लोकतंत्र की शान , मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर जनपद में जिलाधिकारी अजय द्विवेदी द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनी गईं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि आम जनता की शिकायतों का समयबद्ध समाधान शासन की प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनसुनवाई में राजस्व, पुलिस, नगर पालिका, बिजली, आवास, पेंशन, राशन कार्ड सहित कई विभागों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। इसके साथ ही जिलाधिकारी अजय द्विवेदी द्वारा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड भी वितरित किए गए। कार्ड पाकर लाभार्थियों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। जिलाधिकारी ने बताया कि आयुष्मान कार्ड के माध्यम से गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जाता है। कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में अध्यापक/अभिभावक बैठक का हुआ आयोजन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः सोमवार को पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज हसनपुर में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु एचपीवी टीकाकरण और डिप्थीरिया आउटब्रेक की रोकथाम हेतु टी डी/डी पी टी टीकाकरण अभियान के संबंध में एक अध्यापक अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया, कार्यक्रम प्रभारी शैली राजपूत ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु 14 वर्ष की किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन से आच्छादित किया जाना है सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में होने वाला दूसरा प्रमुख कैंसर है और एचपीवी वैक्सीन के माध्यम से इसे रोका जा सकता है, तथा उन्होंने सभी अभिभावकों को 14 वर्ष पूर्ण कर चुके बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया, इस मौके पर श्री मती कोमल रानी ने डी पी टी टीकाकरण के बारे में विस्तार से बताया । स्वास्थ्य विभाग की ओर से 10 वर्ष और 16 वर्ष पूर्ण कर चुकी बालिकाओं को विद्यालय में लगाए जाने वाली डीपीटी वैक्सीनेशन के बारे में भी जानकारी दी तथा सभी से इस टीकाकरण में सहयोग की अपेक्षा की गई साथ ही साथ ग्रीष्म अवकाश के लिए दी जाने वाली आयरन गोली के बारे में भी अभिभावकों को बताया गया ताकि वह समय से अपने बच्चों को आयरन की गोली आवश्यक रूप से इस अवधि में खिला दें। यह कार्यक्रम प्रधानाचार्य श्री मती कुमकुम के निर्देशन में आयोजित किया गया तथा इस मौके पर दीप्ति, खालेद नसरीन, ममता, पुष्पा, सीमा आदि सहित दर्जनों की संख्या में छात्राओं की माताएं मौजूद रही 1

स्मार्ट मीटर और एक्सप्रेसवे मुआवजे को लेकर किसानों ने किया प्रदर्शन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : सोमवार को स्मार्ट मीटर तथा एक्सप्रेसवे के मुआवजे को लेकर मंडी समिति प्रांगण में भारतीय किसान यूनियन (असली) की तहसील स्तरीय पंचायत का आयोजन किया गया। अनवर अहमद की अध्यक्षता और गोवर्धन के संचालन में हुई इस बैठक में किसानों और मजदूरों की ज्वलंत समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। पंचायत में वक्ताओं ने स्मार्ट मीटर योजना पर कड़ा रोष व्यक्त किया। वक्ताओं का कहना था कि ये मीटर किसानों के हित में नहीं हैं,इनसे बिजली का बिल अत्यधिक आता है और बार-बार रिचार्ज करने की प्रक्रिया बेहद जटिल है। भाकियू नेताओं ने चेतावनी दी कि क्षेत्र में कोई भी विद्युत कर्मचारी स्मार्ट मीटर न लगाए, अन्यथा उन्हें उखाड़कर फेंक दिया जाएगा। तहसील महासचिव राहुल चौधरी ने अमरोहा-हरिद्वार एक्सप्रेसवे के मुद्दे पर बोलते हुए कहा कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए किसानों को वर्तमान दर से 6 गुना मुआवजा मिलना चाहिए। उन्होंने आगाह किया कि यदि उचित मुआवजा नहीं मिला, तो किसान बर्बादी की कगार पर पहुंच जाएगा।

इसके अतिरिक्त, अन्य स्थानीय समस्याओं पर भी चर्चा हुईः सड़कों की बदहालीः हसनपुर से बेगपुर मुंडा जाने वाला रास्ता पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुका है, जिससे पैदल चलना भी दूभर है। चौधरी परम सिंह ने इन सड़कों के शीघ्र समाधान की मांग की।शराफत अली ने मांग उठाई कि मंगरौली रोड पर स्थित गौशाला को गांव से बाहर स्थानांतरित किया जाए, क्योंकि आवारा पशुओं के कारण आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं।इस अवसर पर चौधरी समर पाल सिंह, परम सिंह, राहुल चौधरी, टेकचंद सिंह, अलीमुद्दीन सैफी, रणवीर सिंह, जय सिंह राणा और मोहम्मद उमर समेत भारी संख्या में किसान और यूनियन कार्यकर्ता मौजूद रहे। संगठन ने स्पष्ट किया कि यदि मांगों पर जल्द विचार नहीं हुआ, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सीएम योगी की पहली जनसभाः नौजवान परेशान, किसान हताश और उद्योग-धंधे चौपट, लेकिन टीएमसी सिर्फ तुष्टिकरण में लगीः सीएम योगी

लोक तंत्र की शान

पश्चिम मेदिनीपुर। पश्चिम बंगाल चुनाव में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चिलचिलाती धूप में सोमवार को भाजपा प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे। पिंगला विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में जनजातीय समुदाय के लोगों समेत सभी का अभिवादन करने के बाद सीएम योगी ने कहा कि बंगाल में नौजवान परेशान, किसान हताश और उद्योग धंधे चौपट हैं, लेकिन तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार सिर्फ तुष्टिकरण में लगी है। सैंड, कोल, लैंड व कैटल माफिया बंगाल को चूस रहे हैं, लेकिन ममता दीदी को सिर्फ जय श्रीराम के नारे से चिढ़ है। वह दुर्गा पूजा नहीं करने देतीं, मूर्ति विसर्जन जुलूस को प्रतिबंधित करती हैं। यहां उत्सव से पहले उपद्रव और शोभायात्रा पर पथराव होता है। सीएम ने 2017 के पहले यूपी की बदहाली का जिक्र करते हुए कहा कि तब जय श्रीराम कहने पर लाठी-गोली चलती थी, लेकिन अब रामभक्तों का अभिनंदन होता है। यूपी में अब 'नो कर्फ्यू-नो दंगा' है। यूपी माफिया व गुंडा मुक्त है। माफिया की हड्डी-पसली तोड़ने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल होता है।

यूपीनेडा ने लॉन्च किया 'पीएम सूर्य घर' पोर्टल, रियल-टाइम मॉनिटरिंग से तेज होगी योजना की रफ्तार

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए योगी सरकार लगातार तकनीक का सहारा ले रही है। इसी कड़ी में यूपीनेडा के निदेशक इंद्रजीत सिंह ने सोमवार को 'प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना' की निगरानी के लिए www.pmsgy.upneda.co.in पोर्टल का शुभारंभ किया। यह पोर्टल योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गति और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

आवेदन से भुगतान तक हर चरण पर रियल-टाइम निगरानी- नया पोर्टल योजना के सभी प्रमुख चरणों, आवेदन, स्वीकृति, सोलर संयंत्र की स्थापना और भुगतान की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की सुविधा प्रदान करता है। इससे न केवल अधिकारियों को कार्य प्रगति की सटीक जानकारी मिलेगी, बल्कि लाभार्थियों को भी अपने आवेदन की स्थिति जानने में आसानी होगी। योगी सरकार के 'डिजिटल गवर्नेंस' मॉडल के तहत यह पहल सरकारी योजनाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने में सहायक होगी।

केंद्र सरकार ने भी सराहा यूपी मॉडल-गौरतलब है कि मिनिस्ट्री ऑफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी (भारत सरकार) ने भी यूपीनेडा द्वारा विकसित इस मॉडल की सराहना की है। मंत्रालय ने केंद्रीय स्तर पर इसी प्रकार का पोर्टल विकसित करने के लिए यूपीनेडा से तकनीकी सहयोग का अनुरोध किया है। इसके लिए निदेशक इंद्रजीत सिंह द्वारा एक विशेष समिति का गठन किया गया है, जो केंद्र सरकार को तकनीकी सहायता प्रदान करेगी। यह पहल उत्तर प्रदेश को नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करती है।

जनसेवा सरकार का कर्तव्य, इसी पथ पर चल रही सरकार :मुख्यमंत्री

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से आए फरियादियों से मुलाकात की, उनकी शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के अंदर निस्तारण कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसेवा सरकार का कर्तव्य है और सरकार अपने कर्तव्य पथ पर चलकर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की सेवा कर रही है। हर उचित समस्याओं के समाधान के लिए सरकार संकल्पित है।

दर्द लेकर आईं, दुआ देकर गईं-बरेली की रहने वालीं दीप्ति 'जनता दर्शन' में पहुंचीं। उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष अपना दर्द बयां किया। बताया कि वह किराए के मकान में रहती हैं और ठेला लगाकर जीवनयापन कर रही हैं। आर्थिक विपन्नता के कारण बच्चों के लालन-पालन में काफी परेशानी हो रही है। इस पर मुख्यमंत्री ने बरेली के जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि महिला की समस्या सुनकर पीएम स्वनिधि योजना का लाभ दिलाते हुए स्थानीय स्तर पर समस्या का त्वरित समाधान कराएं। सीएम की संवेदनशीलता को देखकर दीप्ति की आंखें भर आईं। चेहरे पर खुशी का भाव लिए हुए उन्होंने जाते-जाते मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया और उन्हें ढेर सारी दुआएं भी दीं।

आवास की मांग को लेकर पहुंचे लोगों को सीएम ने किया आश्वस्त-'जनता दर्शन' में कुछ लोगों ने आवास की मांग से संबंधित प्रार्थना पत्र सौंपे। मुख्यमंत्री ने उनकी बातें सुनते हुए आश्वस्त किया कि सरकार हर पात्र व्यक्ति को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध करा रही है। सीएम ने संबंधित जनपदों के जिलाधिकारियों को आवेदकों का पत्र भेजते हुए उन्हें निर्देशित किया कि पात्रता के आधार पर इन्हें भी आवास योजना का लाभ दिलाएं। इन लोगों ने भी मुख्यमंत्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

हिंदू सिख भाईचारा समागम में जुटे हजारों लोग, दिया एकता का संदेश

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहाः सोमवार को अमरोहा में सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की मिसाल देखने को मिली। अतरासी-हसनपुर रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल में "हिन्दू-सिख भाईचारा समागम" कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र ही नहीं बल्कि दूर-दराज से भी हजारों लोग शामिल हुए।। कार्यक्रम का आयोजन ग्लोबल पंजाबी एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सोरन सिंह चौधरी के द्वारा किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रदीप जोशी अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व अति विशिष्ट अतिथियों में डॉक्टर इकबाल सिंह लालपुरा ,पंज प्यारे भाई धर्म सिंह जी के वसंज बाबा गुरप्रीत सिंह (अंतरराष्ट्रीय संत),सरदार मोहिंदर सिंह सिद्धू व सिख समुदाय के बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे और उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए समाज में एकता, प्रेम और आपसी सम्मान को बढ़ावा देने की अपील की, वहीं वक्ताओं ने कहा कि हिन्दू और सिख समाज का रिश्ता ऐतिहासिक रूप से गहरा और मजबूत रहा है, जिसे आगे भी इसी तरह बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। डॉ .इकबाल सिंह लालपुरा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी भाईचारे को मजबूत करते हैं और हमें एकजुट रहने की प्रेरणा देते हैं। लोगो की माने तो उनका कहना है कि यह "हिन्दू-सिख भाईचारा समागम" कार्यक्रम सामाजिक समरसता और एकता का प्रतीक बनकर सामने आया, जिसने सभी को मिल-जुलकर रहने और देश की अखंडता को बनाए रखने का संदेश दिया। डॉ. इकबाल सिंह लालपुरा को बिजनौर, रामपुर, पीलीभीत, लखीमपुर के किसानों द्वारा उनकी जमीनों का मालिकाना हक दिलाने पर बाबा बघेल सिंह सम्मान द्वारा सम्मानित किया गया,उन्हें प्रतीक स्वरूप दो किसानों की जोड़ी और बैलगाड़ी दी गयीं,कार्यक्रम में प्रमुख रूप से धनोरा विधायक राजीव तरारा,सरदार सुरेंद्र सिंह, राजीव त्यागी, खिलेंदर सिंह, राजीव चौहान, योगेश सोनू, ईश्वर गुर्जर, चंद्रभान भाटी,पूरन सिंह सैनी, कृष्ण कुमार जाटव,रामरतन सिंह, बबीता उप्पल, प्रियंका चहल, महिपाल सिंह,दिवाकर सिंह, सत्यपाल सिंह पाल,सतवीर सिंह, चमन सिंह,आचार्य दुष्यंत जी,संगीत पंवार,प्रवीण राठी,विनीत सिरोही, राजपाल सिंह आदि सहित भारी संख्या में हिंदू एवं सिक्ख समाज के लोग मौजूद रहें।

चेयरमैन कौसर अब्बास के निर्देशन में सिरसी में जनगणना प्रशिक्षण शिविर आयोजित

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/सिरसी। नगर पंचायत में भारत की जनगणना के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन को लेकर नगर पंचायत कार्यालय परिसर, सिरसी में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का 03 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चेयरमैन कौसर अब्बास के निर्देशन में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान चेयरमैन कौसर अब्बास ने कहा कि जनगणना देश का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, जिसमें पारदर्शिता और सटीकता सर्वोपरि होनी चाहिए। उन्होंने सभी कार्मिकों को अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने के निर्देश दिए। इस दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा उपस्थित प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को जनगणना की विस्तृत प्रक्रिया, जिम्मेदारियों तथा आवश्यक दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया। उन्हें घर-घर जाकर सही आंकड़े एकत्र करने एवं नागरिकों से समन्वय स्थापित करने के लिए प्रेरित किया गया। चेयरमैन ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि जनगणना कार्य में सहयोग करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। सभी नागरिक सही एवं सटीक जानकारी देकर इस राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

रामपुर में संदिग्ध मजिस्ट्रेट वाहन, टैक्सी नंबर पर लिखी पीली पट्टी बनी जांच का विषय

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुरः में एक संदिग्ध वाहन देखे जाने से चर्चा का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि संभल की गाड़ी रामपुर में देखी गई, जिस पर "मजिस्ट्रेट" लिखा हुआ है। वाहन का नंबर UP 38 L 4861 बताया व देखा गया है, जो पीली पट्टी पर अंकित दिखाई दे रहा है। जिसकी फिटनेस खत्म हो चुकी है और इंश्योरेंस 22 जून 2024 का खत्म हो चुका है फिर भी चल रही है मजिस्ट्रेट के नाम से बोलोरो उसे पर होटल भी लगा हुआ है स्थानीय लोगों के अनुसार वाहन पर मजिस्ट्रेट लिखे होने के बावजूद उसका नंबर टैक्सी श्रेणी का प्रतीत हो रहा है, जिससे वाहन की वैधता पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि वाहन वास्तव में मजिस्ट्रेट के उपयोग में है तो उसके लिए निर्धारित सरकारी नियमों के अनुसार स्पष्ट पहचान और दस्तावेज होने चाहिए। वहीं, यदि यह वाहन टैक्सी श्रेणी में पंजीकृत है तो उस पर "मजिस्ट्रेट" लिखना नियमों का उल्लंघन माना जा सकता है। ऐसे में यह भी सवाल उठ रहा है कि आखिर किस अनुमति से वाहन पर मजिस्ट्रेट लिखा गया है और क्या यह वाहन वास्तव में किसी अधिकारी के प्रयोग में है या सिर्फ दिखावे के लिए लिखा गया है। मामला सामने आने के बाद यह प्रशासनिक जांच का विषय बन गया है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि संबंधित विभाग वाहन की जांच कर स्पष्ट करे कि यह वाहन अधिकृत है या नहीं, और यदि फर्जी तरीके से मजिस्ट्रेट लिखवाया गया है तो दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

रामपुर में नवनिर्मित श्री राम मंदिर में भव्य प्राण-प्रतिष्ठा, श्रद्धालुओं की उमड़ी भारी भीड़

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुरः स्थित श्री सनातन रामलीला कमेटी एवं श्री रामलीला पब्लिक स्कूल परिसर की जगह पर नवनिर्मित श्री राम मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरांत वर्ष 2026, दिनांक 20 को मंदिर में भव्य धार्मिक आयोजन के साथ मूर्ति स्थापना एवं प्राण-प्रतिष्ठा समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आया। दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस विशेष अवसर पर मंदिर में विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्री गणेश भगवान, भगवान श्रीराम दरबार, विष्णु-लक्ष्मी नारायण, हनुमान जी, दुर्गा माता, कार्तिकेय जी तथा शिव परिवार की विधिवत स्थापना की गई। पूजा-अर्चना के दौरान हवन, आरती और मंत्रोच्चार से पूरा परिसर गूंज उठा। "जय श्रीराम" के जयघोष के बीच भक्तों ने भगवान के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मंदिर में स्थापित भगवान श्रीराम दरबार श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। श्रद्धालु बड़ी संख्या में राम दरबार के दर्शन कर रहे थे और मंदिर की सुंदरता, मूर्तियों

की कलात्मकता तथा भव्य निर्माण की प्रशंसा करते नजर आए। कार्यक्रम में मंदिर समिति के पदाधिकारी, रामलीला कमेटी के सदस्य, स्थानीय गणमान्य नागरिक एवं भक्तजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे। आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल रहा।

अध्यक्ष सोनी ताऊ का बयान-इस अवसर पर श्री सनातन रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सोनी ताऊ ने कहा कि,-"यह मंदिर केवल एक भवन नहीं, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। वर्षों से रामपुर में रामलीला के माध्यम से धर्म और संस्कारों का प्रचार किया जाता रहा है, और आज इस मंदिर की स्थापना से हमारी आस्था को नई ऊर्जा मिली है। हम चाहते हैं कि यह मंदिर आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने और रामभक्ति का केंद्र बने।"

उन्होंने बताया कि मंदिर निर्माण में समाज के सभी वर्गों का सहयोग रहा और सभी ने मिलकर इस पावन कार्य को सफल बनाया।

महामंत्री वीरेंद्र गर्ग का इंटरव्यू- वहीं कमेटी के महामंत्री वीरेंद्र गर्ग ने कहा कि,-"मंदिर निर्माण का उद्देश्य समाज में धर्म, संस्कार और भक्ति भावना को मजबूत करना है। आज प्राण-प्रतिष्ठा के साथ जो वातावरण बना, वह अद्भुत और अविस्मरणीय है। श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति यह दर्शाती है कि रामपुर की जनता सनातन परंपराओं से कितनी जुड़ी हुई है। आगे भी यहां नियमित पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।" महामंत्री ने बताया कि मंदिर परिसर को भविष्य में और भी सुविधाजनक बनाया जाएगा ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और धार्मिक कार्यक्रम सुचारू रूप से होते रहें।

श्रद्धालुओं में उत्साह, जयकारों से गूंजा परिसर-पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखने को मिला। मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद वितरण भी किया गया। श्रद्धालुओं ने इसे रामपुर के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण बताया।

यह आयोजन रामपुर में सनातन संस्कृति की मजबूती और सामाजिक एकता का प्रतीक बनकर सामने आया। मंदिर स्थापना समारोह के साथ रामपुर में धार्मिक आस्था का नया अध्याय जुड़ गया है। भक्ति श्रद्धालुओं में उपस्थित रहे वीरेंद्र झोली विजय जॉली वीरेंद्र गर्ग सुनील गोयल योगेश गर्ग अर्पित अग्रवाल प्रदीप सक्सेना सुमन जोली रेनू गर्ग पूनम अग्रवाल अनीता गोयल रेनू सक्सेना विष्णु शरण अग्रवाल हरिश्चंद्र ठेकेदार अवनीत कुमार शर्मा अरविंद अग्रवाल कमलेश गुप्ता राजीव मांगलिक सूर्य प्रकाश पाल भारत भूषण गुप्ता श्रीगुप्ता रवि कुमार संजीत दयाल आदि उपस्थितर हे

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर में लूट की साजिश नाकाम, सराय में 2 अपराधी गिरफ्तार, लोडेड पिस्टल-कारतूस बरामद

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। सराय थाना क्षेत्र में बीती रात एएसआई केदार प्रसाद के नेतृत्व में गश्ती दल ने दो अपराधियों को गिरफ्तार किया। ये दोनों लूटपाट की योजना बना रहे थे और इनके पास से एक लोडेड देशी पिस्टल तथा जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। घटना सराय के सूरज चौक के पास हुई। पुलिस के अनुसार, एएसआई केदार प्रसाद सशस्त्र बल के साथ रात्रि गश्त पर थे। देर रात करीब 3:30 बजे गश्ती टीम सूरज चौक के पास पहुंची। उसी दौरान लालगंज की ओर से एक R15 मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति आते दिखे। गश्ती टीम ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन मोटरसाइकिल चालक गाड़ी मोड़कर लालगंज की दिशा में भागने लगे। गश्ती दल ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ में एक की पहचान नीरज कुमार (पिता वीरेंद्र सहनी, ग्राम सोरहथा, थाना बेलसर) और दूसरे की पहचान संदीप कुमार (पिता रमेश सहनी, साहेब पहेतिया, थाना काजीपुर) के रूप में हुई। ये दोनों वैशाली जिले के निवासी हैं। तलाशी लेने पर नीरज कुमार की कमर से एक लोडेड देशी पिस्टल बरामद हुई, जिसमें 7.65 बोर के तीन जिंदा कारतूस थे। उसके पास से एक मोबाइल भी मिला। संदीप कुमार के पास से भी एक मोबाइल बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि दोनों अपराधी लूटपाट करने के उद्देश्य से निकले थे, लेकिन गश्ती दल ने घटना को अंजाम देने से पहले ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में सराय थाना में कांड संख्या 128/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार किए गए दोनों अपराधियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

अवैध शराब पर बड़ा एक्शन, दियारा में 12 से ज्यादा भट्टियां ध्वस्त, 6000 लीटर देसी शराब नष्ट

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। बिहार के अन्य जिलों में हुए जहरीली शराब कांड से सबक लेते हुए वैशाली पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। पुलिस द्वारा दियारा इलाके में लगातार छापेमारी की जा रही है, जिसमें अवैध शराब भट्टियों को नष्ट किया जा रहा है। वैशाली एसपी विक्रम सिहाग के निर्देश पर महनार, देसरी और चांदपुरा थाना क्षेत्र के दियारा इलाके में एसडीपीओ प्रवीण कुमार के नेतृत्व में एक विशेष अभियान चलाया गया।

इस अभियान के तहत पुलिस ने एक दर्जन से अधिक अवैध शराब भट्टियों को ध्वस्त कर दिया। पुलिस को दूर से आता देख शराब तस्कर मौके से फरार हो गए, लेकिन पुलिस ने अवैध शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले सभी उपकरणों को पूरी तरह नष्ट कर दिया। एसडीपीओ प्रवीण कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर दियारा इलाके में बिना किसी पूर्व सूचना के यह अचानक छापेमारी की गई थी। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात था। पुलिस ने दियारा इलाके में सर्च अभियान चलाकर सभी शराब भट्टियों को नष्ट करने के साथ-साथ लगभग 6000 लीटर देसी शराब को भी आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने यह भी बताया कि इस प्रकार का अभियान लगातार जारी रहेगा और दो महीने के भीतर दियारा क्षेत्र को शराब मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

हाजीपुर में ट्रक ड्राइवर की पिटाई, भीड़ में धीरे चलने पर दबंगों ने शीशा तोड़ा, मारपीट की

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। हाजीपुर-मुजफ्फरपुर एनएच-22 पर दबंगों द्वारा एक ट्रक चालक की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। भगवानपुर अड्डा चौक पर मुजफ्फरपुर से पटना जा रहे एक ट्रक को रोककर चालक के साथ मारपीट की गई और ट्रक का शीशा तोड़ दिया गया। यह घटना भीड़भाड़ वाले चौक पर ट्रक के धीरे चलने के कारण हुए विवाद के बाद हुई। पुलिस ने कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है और मामले की जांच जारी है। जानकारी के अनुसार, चौक पर अधिक भीड़ होने के कारण ट्रक चालक अपनी गाड़ी धीरे-धीरे आगे बढ़ा रहा था। इसी दौरान कुछ युवकों ने उसे रोका और गाली-गलौज शुरू कर दी।

विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने पास खड़े दूसरे ट्रक से एक डंडा निकाला और पहले ट्रक का शीशा तोड़ दिया। इसके बाद दबंगों ने चालक को ट्रक से नीचे उतारकर सरेआम सड़क पर लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया। घटना का एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें चालक की बेरहमी से पिटाई साफ देखी जा सकती है। इस दौरान मौके पर मौजूद लोग तमाशबीन बने रहे और किसी ने भी बीच-बचाव करने की हिम्मत नहीं दिखाई। घटना की सूचना मिलते ही भगवानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मारपीट में शामिल कुछ आरोपियों को हिरासत में लेकर थाने ले गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। इस घटना ने एक बार फिर एनएच-22 जैसे व्यस्त मार्ग पर कानून-व्यवस्था और अपराधियों में कानून के डर पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घर के बाहर खड़ी कार पर 10 राउंड फायरिंग, शराब कारोबार से जुड़ा विवाद, मौके से खोखे बरामद, जांच शुरू

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर में देर रात एक घर के बाहर खड़ी कार पर अज्ञात बदमाशों ने कई राउंड फायरिंग की। घटना सदर थाना क्षेत्र के रायडीह गांव की है, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने मौके से 10 खाली खोखे बरामद किए हैं और मामले की जांच में जुट गई है। सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि देर रात रायडीह गांव में अज्ञात अपराधियों ने एक घर के बाहर खड़ी कार पर दस से अधिक राउंड फायरिंग की। जिस कार पर फायरिंग हुई, वह नीरज नामक युवक की है, जो शराब का कारोबार करता है। एसडीपीओ के अनुसार, कार मालिक नीरज ने आशंका जताई है कि गांव के ही एक युवक से पैसे को लेकर विवाद था, जिसके कारण यह फायरिंग हुई। पुलिस जांच में सामने आया है कि नीरज और विवाद करने वाला दूसरा युवक, दोनों ही शराब के धंधेबाज हैं। यह घटना शराब के पैसे को लेकर हुए विवाद का परिणाम है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस टीम ने मौके से 10 खाली खोखे बरामद किए। पुलिस अब इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है ताकि अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जा सके।

मुजफ्फरपुर में युवक की पीट-पीटकर हत्या, गांव से बाहर मिला शव, सिर-पैर पर चोट के निशान

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। शादी समारोह के दौरान म्यूजिक ट्रॉली हटाने को लेकर हुए विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया है। मृतक की पहचान राहुल कुमार(27) के तौर पर हुई है। घटना मीनापुर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, मानिकपुर गांव में जागेश्वर सहनी की बेटी की शादी थी। बारात पियर से आई थी। शादी समारोह के दौरान सड़क पर म्यूजिक ट्रॉली लगाकर बाराती और लड़की पक्ष के लोग डांस रहे थे। इस दौरान राहुल ट्रैक्टर लेकर घर लौट रहा था। सड़क पर ट्रॉली होने के कारण रास्ता बाधित था। राहुल ने वहां मौजूद लोगों से ट्रॉली हटाने को कहा। जिसके बाद कहासुनी शुरू हो गई। हालांकि उस समय मामला शांत हो गया। विवाद के बाद राहुल बारात के स्वागत (दरवाजा लगने) की रस्म देखने के लिए रुक गया। परिजनों के अनुसार, रस्म के बाद जब घर लौट रहा था, तो बारात में शामिल कुछ लोगों ने उसे रास्ते से उठा लिया। देर रात तक घर न पहुंचने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। अगली सुबह ग्रामीणों ने गांव के बाहर सुनसान जगह पर शव देखा। सिर से लेकर पैर तक गहरे चोट के निशान थे, जिससे प्रतीत होता है कि उसकी पीट-पीटकर हत्या की गई है। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मीनापुर पुलिस भी मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डीएसपी पूर्वी, अलय वत्स ने बताया कि टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। आरोपियों की पहचान की जा रही है।

महिला आरक्षण बिल को लेकर महिला मोर्चा ने किया प्रदर्शन

- गांधी मैदान में 10 हजार की भीड़, सम्राट बोले- लालू चाहते बेटी, राहुल चाहते बहन लोकसभा जाए

लोकतंत्र की शान , पटना

महिला आरक्षण बिल को लेकर बीजेपी की महिला मोर्चा की ओर से 'जन आक्रोश महिला सम्मेलन' किया गया। हाथों में तिरंगा लिए पटना के गांधी मैदान स्थित कारगिल चौक पर करीब 10 हजार महिलाएं पहुंची। उनके हाथों में पोस्टर भी था, जिन पर लिखा था- 'नारी शक्ति की झूठी कहानी, कांग्रेस की आदत पुरानी।' इसके साथ ही महिलाएं लगातार नारे लगाती रहीं- 'राजद-कांग्रेस का हुआ है मेल, महिलाएं निकालेंगी अब इनका तेल।' प्रोटेस्ट में एक महिला हाथों में जंजीर बांधकर प्रोटेस्ट में शामिल हुईं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी बीजेपी की महिला मोर्चा के प्रदर्शन में पहुंचे। उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी भी मौजूद थे।

सीएम सम्राट जैसे ही मंच पर पहुंचे, इस दौरान कुछ महिलाएं पंडाल से निकलकर जाने लगीं। उनका कहना था, सुबह से आए हुए हैं। गर्मी बहुत ज्यादा है। उन महिलाओं को देखते ही और महिलाएं भी जाने लगीं। ये सिलसिला चलता रहा। सम्राट ने कहा, "विपक्ष चाहता है कि उनकी बेटी-पत्नी लोकसभा की सदस्य बने, लेकिन मोदी जी पूरे देश की महिलाओं के बारे में सोचते हैं। महिला आरक्षण बिल आता तो बिहार 122 महिलाएं विधायक चुनकर आतीं।"

प्रदर्शन के दौरान तेज गर्मी की वजह से सारी महिलाएं पंडाल से निकलकर गांधी मैदान में छांव में चली गई। प्रोटेस्ट में शामिल होने के लिए पूरे बिहार से करीब 1000 बसों से महिलाएं पटना पहुंचीं। जेपी सेतु पर लंबा जाम लग गया। गांधी मैदान के पास एक तरफ का रूट पूरी तरह बंद कर दिया गया। इससे तेज धूप में पैदल चल रहे लोग परेशान दिखे। प्रदर्शन के दौरान मोना, रिजेंट सिनेमा हॉल समेत गांधी मैदान के पास मौजूद सभी छोटे-बड़े दुकानों को बंद करा दिया गया। महिला मोर्चा के प्रदर्शन में शामिल होने के लिए पूर्व मंत्री श्रेयसी सिंह, लेसी सिंह और पटना मेयर सीता साहू भी पहुंचीं।

अटल पथ पर कार और ई-रिक्शा में टक्कर, 2 घायल

राजीव नगर के पास 20 मिनट तक डिस्टर्ब रहा ट्रैफिक, घायलों को अस्पताल भेजा गया

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के अटल पथ पर राजीव नगर के पास ई-रिक्शा और कार के बीच टक्कर हो गई। दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में 2 लोगों को हल्की चोटें आई हैं। जिन्हें पास के निजी अस्पताल में पुलिस की मदद से भेजा गया है।

घटनास्थल से ई-रिक्शा और कार ट्रैफिक थाना गांधी मैदान ले जाया गया है। हादसे के बाद सड़क पर कुछ देर के लिए ट्रैफिक स्लो हो गया था। करीब 20 मिनट तक ट्रैफिक प्रभावित हुआ। जिसे ट्रैफिक पुलिस ने क्लियर कराया। जिसके बाद यातायात सामान्य हो गया।

किसी ने भी आवेदन नहीं दिया, कार थाने ले गई पुलिसः ट्रैफिक थानेदार ब्रजेश चौहान ने बताया कि किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई है। हल्की चोट आई थी, इलाज के बाद चले गए हैं। कार थाने पर लाई गई है। जबकि ई-रिक्शा उसका चालक लेकर चला गया है। उसने भी कहा है कि मुझे कोई शिकायत दर्ज नहीं करनी है। जो मेरा नुकसान है, मैं खुद समझ लूंगा।

फिलहाल दोनों पक्षों में से किसी का आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। ई-रिक्शा और कार में सिर्फ चालक सवार थे। घटना के बाद राहगीर जमा हो गए थे। मौके पर पहुंच कर गांधी मैदान ट्रैफिक थाने की गश्ती पुलिस टीम ने जाम हटाकर स्थिति सामान्य करा दी है। फिलहाल ट्रैफिक सामान्य है।

पटना कॉलेज घाट से मिली अज्ञात शख्स की बॉडी, अब तक नहीं हो पाई है पहचान

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना कॉलेज घाट के पास एक अज्ञात शख्स की बॉडी बरामद की गई है। फिलहाल, शव की पहचान नहीं हो पाई है। शख्स की उम्र 50 वर्ष के करीब बताई जा रही है। गले में माला और हाफ टी-शर्ट पहने हैं। फिलहाल पटना यूनिवर्सिटी स्थित TOP पुलिस ने बॉडी कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। साथ ही हुलिया के आधार पर शव की पहचान करने की कोशिश कर रही है। आसपास के संबंधित थानों में भी पीरबहोर थाने की ओर से शख्स की तस्वीर भेजी गई है। ताकि अगर किसी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई हो तो इसे पहचान हो सके। पीरबोहर थानेदार सज्जाद गद्दी ने बताया कि, रविवार की शाम कॉलेज घाट पर कुछ छात्रों ने गंगा नदी में एक बॉडी तैरते देखी। इसके बाद पुलिस को सूचना मिली। मौके पर पहुंच कर पुलिस ने बॉडी को

- पहचान करने की कोशिश में जुटी पुलिस

पानी से बाहर निकलवाया। तलाशी के दौरान पॉकेट वगैरह से पहचान से संबंधित कोई भी डॉक्यूमेंट नहीं मिला है। इसलिए शख्स की पहचान फिलहाल नहीं हो पाई है। पीरबोहर थानेदार के मुताबिक, 'पोस्टमार्टम के लिए बॉडी भेज कर पहचान कराने की कोशिश की जा रही है। फिलहाल UD केस दर्ज कर लिया गया है। अभी तक किसी ने इस तरीके की घटना के बारे में थाने पर आवेदन नहीं दिया है।'

सहरसा में सख्त वाहन जांच अभियान, सड़क सुरक्षा नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई, 3.04 लाख जुर्माना वसूला गया

लोकतंत्र की शान

सहरसा, mohammad ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिले में सड़क सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने और यातायात नियमों के सख्त अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान जिला पदाधिकारी के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी के नेतृत्व में बनगांव-सहरसा रोड पर संचालित किया गया। अभियान में जिला परिवहन पदाधिकारी सुजीत बरनवाल, अपर जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटर यान निरीक्षक तथा सभी प्रवर्तन अवर निरीक्षक सक्रिय रूप से शामिल रहे। इस दौरान मोटरसाइकिल, ई-रिक्शा, कार और पिकअप वाहनों की सघन जांच की गई। जांच के क्रम में वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा, प्रदूषण

प्रमाणपत्र (PUC) और फिटनेस प्रमाणपत्र की विशेष रूप से जांच की गई। साथ ही आम लोगों और वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया। जो वाहन चालक नियमों का पालन नहीं कर रहे थे, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 3,04,000 का जुर्माना वसूला गया। जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि यह अभियान सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने और यातायात नियमों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चलाया गया है। उन्होंने सभी वाहन मालिकों से अपील की कि वे अपने वाहनों के सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण रखें और नियमों का पालन करें। इसके साथ ही उन्होंने लोगों को सचेत करते हुए कहा कि किसी अन्य व्यक्ति को वाहन देने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि उसके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस हो और वह हेलमेट पहनकर वाहन चला रहा हो। अभिभावकों से भी अपील की गई कि वे अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने के लिए न दें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा को लेकर ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

सहरसा में एलपीजी आपूर्ति पर प्रशासन सख्त, बैकलॉग घटाने और तेज डिलीवरी के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिले में एलपीजी गैस की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने वितरण व्यवस्था की गहन समीक्षा की है। उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तेल कंपनियों के साथ मिलकर मौजूदा स्थिति का विश्लेषण किया गया और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जिले में वर्तमान में कुल लगभग 10,044 पेंडिंग बुकिंग दर्ज हैं, जिनमें HP और भारत गैस दोनों शामिल हैं। इस बैकलॉग को कम करने के लिए सभी वितरकों को विशेष निर्देश दिए गए हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान जिले में 2,747 से अधिक सिलेंडरों की सफल डिलीवरी की गई, जो आपूर्ति में तेजी लाने के प्रयासों को दर्शाता है। वहीं, वर्तमान में वितरकों के पास 6,285 भरे हुए सिलेंडरों का पर्याप्त

स्टॉक उपलब्ध है, जिससे आने वाले दिनों में आपूर्ति और बेहतर होने की उम्मीद है। औसतन जिले में प्रतिदिन करीब 2,955 सिलेंडरों की बिक्री हो रही है। हालांकि, बैकलॉग के कारण उपभोक्ताओं को 2.6 से 3.9 दिनों तक प्रतीक्षा करनी पड़ रही है, जिसे जल्द सामान्य करने का लक्ष्य रखा गया है। वितरक स्तर पर भी व्यवस्था को दुरुस्त करने के प्रयास जारी हैं। कुछ एजेंसियों द्वारा अधिक बुकिंग और डिलीवरी का प्रबंधन किया जा रहा है, जबकि अन्य एजेंसियां आपूर्ति संतुलन बनाए रखने में सहयोग कर रही हैं। जिला पदाधिकारी ने सभी गैस वितरकों को सख्त निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ताओं को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। जिन एजेंसियों के पास अधिक बैकलॉग है, उन्हें अतिरिक्त संसाधन लगाकर होम डिलीवरी में तेजी लाने को कहा गया है। साथ ही उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे केवल पंजीकृत मोबाइल नंबर से ही बुकिंग करें और निर्धारित रसीद के अनुसार ही भुगतान करें। किसी भी प्रकार की शिकायत या कालाबाजारी की सूचना मिलने पर संबंधित एजेंसियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। प्रशासन के इन कदमों से उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में जिले में एलपीजी आपूर्ति पूरी तरह सामान्य हो जाएगी।

सहरसा में 'सबका सम्मान–जीवन आसान' कार्यक्रम आयोजित, 16 आवेदनों की सुनवाई, समयबद्ध निष्पादन के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिले में आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से ''सबका सम्मान–जीवन आसान'' (Ease of Living) कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी दीपेश कुमार की अध्यक्षता में जनता से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेवा-संवाद-समाधान अनुश्रवण प्रणाली के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की गई। कार्यक्रम के दौरान कुल 16 आवेदनों पर समेकित रूप से विचार किया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों—अंचलाधिकारी सिमरी बख्तियारपुर, पतरघट, सौर बाजार, सत्तर कटैया, भूमि सुधार उप समाहर्ता (सदर), जिला समादेष्टा सहित अन्य अधिकारियों—को निर्देश

दिया कि प्राप्त आवेदनों में उल्लिखित समस्याओं का नियमानुसार शीघ्र समाधान सुनिश्चित करते हुए अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं। सुनवाई के दौरान सत्तर कटैया एवं सौर बाजार निवासी मनोज कुमार द्वारा भूमि विवाद से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसके समाधान हेतु संबंधित अंचलाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। वहीं दीपक कुमार द्वारा अनुकंपा नियुक्ति से जुड़ा आवेदन दिया गया, जिसे निस्तारण के लिए जिला समादेष्टा को भेजा गया। महिषी निवासी विनोद कुमार के आवेदन के समाधान हेतु डीसीएलआर सदर को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) संजीव कुमार चौधरी, अपर समाहर्ता निशांत, जिला जनशिकायत कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी सह निदेशक एनईपी पुलक कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का उद्देश्य प्रशासन और आम जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना तथा समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

पालीगंज में पैक्स चुनाव, एक पंचायत पर वोटिंग रद्द

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के पालीगंज प्रखंड में जरखा पंचायत में कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान जारी है। सुबह 7 बजे से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की भीड़ देखी जा रही है। वहीं, प्रखंड की दूसरी चिकसी पैक्स पंचायत का चुनाव विभाग द्वारा रद्द कर दिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए पालीगंज प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाची पदाधिकारी सुशील कुमार और पालीगंज डीएसपी राजीव चंद्र सिंह अपनी टीम के साथ लगातार केंद्रों का दौरा कर रहे हैं।

जरखा पैक्स पंचायत में अध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। इस चुनाव में लगभग 1300 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। बढ़ती गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने दोनों केंद्रों पर पेयजल और अन्य

आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं।

दूसरी ओर, पालीगंज प्रखंड के चिकसी पैक्स पंचायत चुनाव को मतदाता सूची में गड़बड़ी के कारण विभाग ने रद्द करने का फैसला लिया है। नामांकन पर्चा दाखिल होने के बाद यह निर्णय लिया गया।

प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाची पदाधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि, 'पालीगंज प्रखंड की दो पैक्स पंचायतों में चुनाव होना था, जिसमें अब केवल जरखा पैक्स पंचायत में चुनाव हो रहा है।

पटना के सरकारी अस्पतालों में फायर ऑडिट शुरू

लोकतंत्र की शान , पटना

बढ़ती गर्मी और आगजनी की घटनाओं के मद्देनजर राजधानी के सरकारी अस्पतालों में सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया गया है। मरीजों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में व्यापक फायर ऑडिट कराने का निर्णय लिया है। इस अभियान के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और अनुमंडलीय अस्पतालों तक सभी इकाइयों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में आधिकारिक पत्र जारी कर दिया है, जिसके बाद सिविल सर्जन कार्यालय के निर्देशन में पूरे जिले में चरणबद्ध तरीके से यह अभियान चलाया

- बिजली व्यवस्था सहित कई बिंदुओं पर होगी जांच, मानकों पर खरे उतरने पर मिलेगी एनओसी

जाएगा।

अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की पहलः सिविल सर्जन डॉ. योगेंद्र कुमार मंडल ने बताया कि, जांच के प्रमुख बिंदुओं में अस्पतालों की बिजली व्यवस्था सबसे अहम है। वायरिंग की गुणवत्ता, उसकी लोड क्षमता और ओवरलोडिंग की स्थिति की विशेष रूप से पड़ताल की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि कई अस्पतालों में पुराने तार और अस्थाई कनेक्शन आगजनी का बड़ा कारण बनते हैं, जिस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

फायर सेफ्टी उपकरणों की अवेलेबिलिटी की जांचः इसके अलावा फायर सेफ्टी उपकरणों की उपलब्धता और उनकी कार्यशीलता की भी जांच होगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि फायर एक्टिंग्यूशर एक्सपायर न हों और वे सही ढंग से काम कर रहे हों। ऐसे मामलों को गंभीरता से लिया जाएगा, जहां उपकरण मौजूद तो हैं, लेकिन निष्क्रिय हैं।

अलार्म सिस्टम, इमरजेंसी रिस्पॉन्स मैकेनिज्म की जांचः फायर स्टेशन से संपर्क व्यवस्था, अलार्म सिस्टम, इमरजेंसी रिस्पॉन्स मैकेनिज्म और लिफ्ट की सुरक्षा व्यवस्था भी जांच के दायरे में होगी। अस्पतालों में मौजूद लिफ्टों की संख्या, उनका प्रकार और आपात स्थिति में उनके उपयोग की क्षमता का भी मूल्यांकन किया जाएगा, ताकि मरीजों और स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। फायर ऑडिट के बाद अस्पतालों को उनकी स्थिति के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। जो संस्थान सभी मानकों पर खरे उतरेंगे, उन्हें ही नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) जारी किया जाएगा। जिन अस्पतालों में कमियां पाई जाएंगी, उन्हें सुधार के लिए निश्चित समय सीमा दी जाएगी। साथ ही, आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए जाएंगे ताकि वे जल्द से जल्द अपनी व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर सकें।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्रामः कागज पैकेजिंग गोदाम में लगी भीषण आग से लाखों का नुकसान

लोकतंत्र की शान : गुरुग्राम। सेक्टर-10 के पास स्थित रवि नगर इलाके में सोमवार सुबह एएमडी पैकेजिंग नाम के एक गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा गोदाम उसकी चपेट में आ गया। आग की लपटें कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रही थीं, जिससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि गोदाम में कागज और पैकेजिंग से जुड़ा भारी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी। यही वजह रही कि आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप धारण कर लिया। आग लगते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। भीमनगर फायर स्टेशन से दो टीमें मौके पर पहुंचीं, जिन्होंने आग बुझाने के लिए लगातार प्रयास किए। हालांकि आग की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि दमकल कर्मियों को काबू पाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। करीब ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका। घटना के दौरान पूरे इलाके में घना धुआं फैल गया, जिससे स्थानीय लोग दहशत में आ गए। कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और स्थिति को देखते रहे। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फायर विभाग के अधिकारियों के अनुसार आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच की जा रही है। इस हादसे में लाखों रुपये के सामान के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

हिसार : बरवाला की बदहाल व्यवस्था पर गरजी बसपा, प्रशासन को बताया नाकाम

लोकतंत्र की शान : हिसार। बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारियों ने बरवाला क्षेत्र की बदहाल स्थिति और लगातार बढ़ती जनसमस्याओं पर कड़ा रुख अपनाते हुए प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। पदाधिकारियों ने सोमवार को बैठक करके आरोप लगाया कि बरवाला क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं का अभाव अब प्रशासन की लापरवाही और जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता का सीधा प्रमाण बन चुका है।बैठक में पेयजल संकट, सीवरेज ओवरफ्लो, गंदे पानी की निकासी, टूटी सड़कें, सफाई व्यवस्था की बिगड़ी हालत और वार्ड स्तर पर लगातार उपेक्षा जैसे मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि जनता रोजाना इन समस्याओं से जूझ रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदकर बैठे हैं।बैठक के दौरान बहुजन समाज पार्टी के संगठन को बूथ स्तर से लेकर सेक्टर और वार्ड स्तर तक मजबूत करने की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए कि हर बूथ और सेक्टर पर संगठन को सक्रिय किया जाए, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय की जाएं और जनसंपर्क अभियान को तेज किया जाए, ताकि जनता की आवाज को मजबूती से उठाया जा सके।इस अवसर पर मुख्य वक्ता बसपा के प्रदेश महासचिव महेंद्र सिंह धनिया ने कहा कि बरवाला क्षेत्र की स्थिति बेहद चिंताजनक है और प्रशासन पूरी तरह से अपनी जिम्मेदारियों से भाग रहा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनता की समस्याओं को नजरअंदाज करना किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और संबंधित विभागों को अपनी जवाबदेही तय करनी होगी। प्रवक्ता पवन बलराज सातरोड़ ने कहा कि बरवाला में हालात इतने खराब हो चुके हैं कि आम आदमी को बुनियादी सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति सीधे तौर पर प्रशासन की विफलता को दर्शाती है। बैठक में डॉ. मुकेश सभरवाल, जिला कोषाध्यक्ष रामकिशन प्रजापति, बरवाला विधानसभा अध्यक्ष हंसराज नयाणा, बरवाला हलका उपाध्यक्ष संदीप मिर्जापुर व विकास सातरोड़ सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हिसार : विपक्षी दलों की तुच्छ सोच से गिरा नारी शक्ति वंदन अधिनियम : नेहा धवन

लोकतंत्र की शान : हिसार। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता नेहा धवन ने लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम गिरने को कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों की तुच्छ सोच का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने यह अधिनियम गिराकर देश की आधी आबादी से उसका हक छीना है। नेहा धवन सोमवार को पार्टी जिला कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल का दिन देश के इतिहास में ऐतिहासिक हो सकता था और स्वर्ण अक्षरों में लिखा जा सकता था लेकिन कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों की गलत मंशा के कारण यह दिन काले अक्षरों में लिखा गया। कांग्रेस नहीं चाहती कि महिलाओं को उनका हक मिले और महिलाएं आगे आएं। उन्होंने कहा कि लगभग 60 साल तक देश में कांग्रेस का राज रहा लेकिन एक ही परिवार या उससे जुड़ी महिलाओं के अलावासामान्य परिवारों से जुड़ी महिलाओं को आगे नहीं आने दिया गया। यह कांग्रेस की सोच है। कांग्रेस के इस कृत्य में ममता बनर्जी व सपा ने भी पूरा साथ दिया। कांग्रेस को यह भी सहन नहीं हुआ और अन्य दलों के साथ मिलकर कांग्रेस ने इस बिल को गिरा दिया ताकि देश की आधी आबादी को राजनीति में बराबर की हिस्सेदारी न मिले। भाजपा मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि इस अवसर पर पूर्व प्रदेश सचिव सरोज सिहाग, जिला सचिव पिंकी शर्मा, प्रोमिला पूनिया, जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा, जिला उपाध्यक्ष संजीव रेवड़ी, कोषाध्यक्ष अशोक मित्तल, ओबीसी मोर्चा से विनोद तोसावड़, धर्मबीर पानू सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

चंडीगढ़ के डॉ. आंबेडकर कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी, बम और डॉग स्क्वायड ने शुरू की जांच

लोकतंत्र की शान : चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-42 स्थित डॉ. आंबेडकर कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सोमवार को हड़कंप मच गया। कंट्रोल रूम को मिले एक संदिग्ध मैसेज के बाद पुलिस तुरंत अलर्ट मोड में आ गई और कॉलेज परिसर में बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक कंट्रोल रूम को एक मैसेज मिला था, जिसमें कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। सूचना मिलते ही चंडीगढ़ पुलिस, बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पूरे कॉलेज परिसर को घेरकर हर कोने की गहन तलाशी ली गई। एहतियात के तौर पर कॉलेज में मौजूद सभी छात्रों और स्टाफ को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला गया।

आपरेशन मुस्कान ने लाई लापता के परिजनों के चेहरे में मुस्कान

» गुमशुदा 13 वर्षीय बालक को 24 घंटे के अंदर परिजनों को सौंपा

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिले के भुईमाड़ थाने के एक 13 साल का बालक बिना बताए घर से लापता हो गया जिसकी जानकारी परिवार ने थाना प्रभारी को दी तो थाना प्रभारी डी डी सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को देखकर उनका मार्गदर्शन प्राप्त करने के बाद बालक की तलाश में जुट गए पुलिस पुलिस और परिजन मिलकर बालक की तलाश कर रहे थे तभी जानकारी मिलेगी मड़वास थाना क्षेत्र के किसी गांव में बालक घूम रहा है तुरंत पुलिस स्थल पहुंचकर बालक को दस्तायाब कर परिजनों को सौंप दिया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना भुईमाड़ में परिजनों द्वारा बालक के लापता होने की सूचना दी गई थी, जिस पर पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए तत्काल धारा 137(2) बी.एन.एस. (BNS) के तहत मामला पंजीबद्ध किया। विवेचना के दौरान यह बात सामने आई कि किशोरावस्था की उम्र में बच्चे अक्सर चंचलता, खेल-कूद की इच्छा या घर की किसी सामान्य बात पर नाराज होकर बिना बताए कहीं निकल जाते हैं। यह बालक भी इसी तरह के किसी कारणवश घर से निकल गया था, जिससे परिजन काफी चिंतित थे। थाना प्रभारी भुईमाड़ उप निरीक्षक डी.डी. सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तुरंत तलाश शुरू की। आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ और मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने खोजबीन जारी रखी। पुलिस के निरंतर प्रयासों के बाद बालक को थाना मड़वास क्षेत्र में खोज निकाला गया। बालक को सुरक्षित थाना लाकर उसकी उचित काउंसलिंग की गई और उसे उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। अपने बच्चे को सुरक्षित वापस पाकर परिजनों ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

कार्यवाही में शामिल टीमः- इस सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी उप निरीक्षक डी.डी. सिंह, प्रधान आरक्षक भूपेश करचूली, आरक्षक विक्की सिंह एवं आरक्षक दयाराम की महत्वपूर्ण और सक्रिय भूमिका रही।

डेढ़ हजार किलोमीटर सफर कर नाबालिग किशोरी को वापस लाए, आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं ऑपरेशन मुस्कान के तहत सीधी जिले की पुलिस डेढ़ हजार किलोमीटर का सफर करके नाबालिक किशोरी को सुरक्षित वापस लाकर उसके परिजनों को सौंप दिया है वहीं किशोरी को शादी का झांसा देकर भगाकर ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार जमोड़ी थाना के एक गांव के युवक ने नाबालिक की किशोरी को अच्छे जीवन साथी बनाने सुख सुविधा देने का प्रलोभन देकर भागकर महाराष्ट्र ले गया जिसकी शिकायत थाना में दर्ज कराई गई थी जांच के दौरान किशोरी के महाराष्ट्र में होने की पुष्टि होने पर पुलिस की टीम कल्याण महाराष्ट्र में दृश्य देकर युवती को आरोपी के चंगुल से मुक्त कराकर वापस सीधी ले आई जहां वैधानिक कार्रवाई के पश्चात किशोरी को उसके परिजनों को सौंप दिया है वहीं आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। आरोपी के मंसूबे पर पानी फेरने में जमोड़ी थाना के प्रभारी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी उप निरीक्षक वर्षा यादव महिला प्रधान आरक्षक कुसुम आरक्षक नीरज आरक्षक अभिषेक की विशेष भूमिका रही है।

नजीबाबाद में लाखों की चोरीः चैक बाजार में व्यापारी नेता की दुकान को बनाया निशाना, कुंबल काटकर लाखों का माल और नकदी ले उड़े चोर

महज कुछ दूर थाना पूरी रात पुलिस का पहरा लेकिन फिर भी वारदात को अंजाम दे गए चोर बड़ा सवाल

लोकतंत्र की शान

नजीबाबाद। चैक बाजार में एक व्यापारी नेता की दुकान पर बीती रात चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए कुंबल काटकर लाखों रुपये की चोरी कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया।

एसपी सिटी कृष्ण गोपाल- सीओ व थाना प्रभारी नजीबाबाद पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। साथ ही सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली गई। बताया जा रहा है कि चोरों ने चैक बाजार स्थित हरिओम जी की मशहूर दुकान को निशाना बनाते हुए छत के रास्ते से अंदर प्रवेश किया और कुंबल काटकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। सोमवार सुबह जब दुकान स्वामी लवी अग्रवाल अपनी दुकान खोलने पहुंचे तो अंदर का सारा सामान बिखरा हुआ मिला। यह नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। दुकान से लाखों रुपये के हार, नकदी व अन्य कीमती सामान गायब था।

घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है।

नगर निगम में कल मंगलवार को आयोजित होगी महापौर जनसुनवाई

» एक ही मंच पर मिलेगा समस्याओं का समाधान, सुबह 11 बजे से होगी सुनवाई

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनीः शहरवासियों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा आयोजित की जा रही महापौर जनसुनवाई अब एक भरोसेमंद और प्रभावी व्यवस्था के रूप में स्थापित हो चुकी है। यह पहल नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित कर समाधान की प्रक्रिया को सरल और तेज बना रही है। इसी क्रम में 21 अप्रैल, मंगलवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक नगर निगम के मेयर इन काउंसिल सभागार में महापौर जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान शहर के नागरिक अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन लेकर सीधे महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी के समक्ष उपस्थित होकर अपनी बात रख सकेंगे। महापौर श्रीमती सूरी ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य नागरिकों को सुगम, सहज और समयबद्ध समाधान उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि जनसुनवाई के माध्यम से न केवल समस्याओं को प्राथमिकता से सुना जाता है, बल्कि संबंधित विभागों को मौके पर ही निर्देश देकर उनके त्वरित निराकरण की प्रक्रिया भी शुरू की जाती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नगर निगम प्रशासन लगातार इस दिशा में प्रयासरत है कि नागरिकों को अलग-अलग विभागों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि एक ही स्थान पर उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित हो सके।

जल गंगा संवर्धन अभियान2026मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, ब्लॉक कटनी, जिला कटनी

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी : कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देशन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती हरसिमरन प्रीत कौर जी एवं जन अभियान परिषद जिला कटनी जिला समन्वयक डॉ.तेजसिंह केशवाल जी, ब्लॉक समन्वयक बालमुकुंद मिश्र जी के मार्गदर्शन में आज दिनांक 18 अप्रैल 2026 को जल गंगा संवर्धन अभियान (द्वितीय चरण) के अंतर्गत पहाड़ी सेक्टर- 4 के आदर्श ग्राम बंडा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण तलाब के पास आम के पेड़ के नीचे -चौपाल लगाई गई जिसमें ब्लॉक कटनी के ब्लॉक समन्वयक बालमुकुंद मिश्र सर के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई जिसमें उन्होंने अभियान में की जाने वाली गतिविधियों और जल को अधिक से अधिक बचाने के लिए ग्राम वासियों को संदेश दिया द्वितीय चरण में-ध्यान एवं योग जीवन के लिए जितना आवश्यक है उसी प्रकार जीवन जीने के लिए जल अति आवश्यक है तो ध्यान करके जल बचाने का संदेश दिया गया तृतीय चरण-तालाब के घाट में श्रमदान कर तालाब के घाट को साफ किया गया।

चतुर्थ चरण में- -जल बचाने के एवं दूसरों को जल बचाने के लिए प्रेरित करने हेतु शपथ ग्रहण किया गया।

पंचम चरण में -दीवाल लेखन कर जागरूकता का संदेश दिया गया कार्यक्रम में ब्लॉक समन्वयक बालमुकुंद मिश्र सर जी एवं मंथन विकास समिति के सचिव हीरामणि हल्दकार एवं परामर्शदाता संयोगिता मिश्रा, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम - छात्रा स्वार्थी हल्दकार, सिया हल्दकार, माया प्रजापति, प्रीति विश्वकर्मा, वंशिकाविश्वकर्मा, एवं छात्र-बृज बिहारी, देवराज विश्वकर्मा, सचिन द्विवेदी, एवं ग्रामीण महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित थे।

बिंदोली देख रहे युवकों पर चाकू से हमला, शरीर पर लगे तीन घाव, उदयपुर रेफर

लोकतंत्र की शान

चित्तौड़गढ़। शहर के सदर थानाअंतर्गत आने वाले करणी माता का खेड़ा में रविवार रात को पुरानी रंजिश के चलते बिंदोली देख रहे युवकों पर दूसरे पक्ष ने हमला कर दिया। इसमें गंभीर घायल को उपचार के लिए उदयपुर रेफर कर दिया गया। इसके शरीर पर चाकू से तीन घाव लगे थे। हमले के बाद करीब आधा दर्जन आरोपित मौके से फरार हो गए। पुलिस ने जान लेवा हमले का प्रकरण दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। सदर थाने के एएसआई बलवंत सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के कुंभानगर करणीमाता का खेड़ा में चाकूबाजी की घटना हुई थी। इस संबंध में जयदीप पुत्र दुर्गेश शर्मा ने पुलिस थाने पर रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि बीती रात करीब 12 बजे गोपाल साहू के पुत्र की बिंदोली निकल रही थी। इस दौरान प्रार्थी व उसके अन्य रिश्तेदार मौसी के घर के बाहर कालिका ज्ञान केंद्र स्कूल के चौक में खड़े होकर बिंदौली देख रहे थे। तभी बिंदोली में से निकल कर करीब आधा दर्जन युवक इनके पास आए और मारपीट कर दी। रिपोर्ट में आरोप लगाया कि आरोपितों ने राहुल पुत्र श्रवण शर्मा पर ताबड़तोड़ चाकू से वार कर दिए। इससे राहुल के कमर, कंधे व पैर पर घाव हो गए। परिवार के लोगों ने राहुल को संभाला और उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लेकर गए। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस भी जिला चिकित्सालय पहुंची। वही बाद में मौका देख कर घटना की जानकारी ली। इधर, गंभीर रूप से घायल राहुल शर्मा को जिला चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर कर दिया। पुलिस ने प्रार्थी जयदीप शर्मा की रिपोर्ट पर रोहित पुत्र रतनलाल कीर, रमेश पुत्र किशनलाल कीर, कारण व अनिल पुत्र बीमा कीर तथा राहुल पुत्र मुकेश कीर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया है। पुलिस ने जान लेवा हमले का प्रकरण दर्ज कर फरार आरोपितों की तलाश में गठित टीमें विभिन्न स्थानों पर दबिश दे रही है।

नारनौलः गेहूं खरीद ने पकड़ी रफ्तार, 57 फीसदी उठान पूरा

लोकतंत्र की शान

नारनौल। जिले में रबी सीजन के दौरान गेहूं और सरसों की खरीद प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। अब तक कुल 13113.27 मीट्रिक टन गेहूं की आवक मंडियों में हो चुकी है, जिसमें से 12841.39 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद सरकारी एजेंसियों द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रुपये प्रति क्विंटल पर की जा चुकी है। वहीं सरसों की आवक भी संतोषजनक रही है। कुल 15750.70 मीट्रिक टन सरसों मंडियों में पहुंची, जिसमें से 15695.10 मीट्रिक टन की खरीद व्यापारियों द्वारा की गई है। सोमवार को उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने अटेली की अनाज मंडी का दौरा कर खरीद व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंडी में मौजूद किसानों और आढ़तियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और इसके लिए सभी विभाग पूरी जिम्मेदारी से कार्य करें। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मंडी में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने गेटपास व्यवस्था की भी विस्तार से जानकारी ली और निर्देश दिए कि प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया जाए। मंडी अधिकारियों और संबंधित विभागों के कर्मचारियों को सख्त निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से जारी सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने फसल के उठान (लिफ्टिंग) कार्य को और तेज करने के निर्देश भी दिए। अधिकारियों के अनुसार अब तक 7314.65 मीट्रिक टन गेहूं का उठान किया जा चुका है, जो कुल खरीद का लगभग 57 प्रतिशत है। उपायुक्त ने साफ-सफाई, पेयजल, बैठने की व्यवस्था सहित सभी जरूरी सुविधाओं को दुरुस्त रखने पर जोर दिया, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस मौके पर डीएमईओ जगजीत कादियान, चेयरमैन दिनेश जेलदार, वाइस चेयरमैन राधेश्याम गोयल, डीएफएससी सावित्री देवी, डीएम हेफेड प्रवीण भारद्वाज और सचिव दीपक कौशिक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बिचौलियों को लाभ पहुंचाने किसानों के हकों में कुठाराघात कर रही मध्यप्रदेश सरकार- अनुराग सिंह

लोकतंत्र की शान, ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख

» समितियों में गेहूं खरीदी पर अटकाए जा रहे सरकारी रोड़े पर बोले किसान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष

सीधी। किसानों को सरकार की किसान विरोधी नीतियों के कारण बिचौलियों के हाथों लुटने के लिए विवस होना पड़ रहा है उक्त बातें किसान कांग्रेस के रामपुर नैकिन ब्लाक के अध्यक्ष अनुराग सिंह ने सरकार पर लगाते हुए कहा है। ब्लाक अध्यक्ष ने कहा की सरकार के किसान विरोधी नीतियों के कारण बीज महंगे दामों में खरीदने को विवस होना पड़ता है तो खाद के लिए लम्बी कतार लगाना पड़ता है तो दो से तीन गुना अधिक दाम चुकाकर खाद खरीदना पड़ता है इन सब समस्याओं को पार करके जब किसान उपज तैयार कर उपार्जन केन्द्रों में बेचना चाहता है तो किसान को पंजियन से लेकर तमाम अन्य अड़चनो को लगाया जाता है जिससे किसान मजबूर हो कर खरीदी केंद्र में उपज न बेचें व्यापारी को उनके निर्धारित दाम में बेचने को विवस हो,अब देखिए ना किसान अपने खेत में जिस अनाज की बोनी किया था उसकी गिरदावरी सरकार ने कराई रिकार्ड में दर्ज कराया लेकिन सेटेलाइट सर्वे में बोए गए खेत को पड़त दिखा दिया जिससे किसान समितियों में अपनी उपज न बेच सकें। श्री सिंह ने आगे कहा कि किसानों के साथ सरकार द्वारा हमेशा दुर्व्यवहार किया जाता रहा है पहले किसानो को खाद के लिए प्रताड़ित किया गया अब सेटेलाइट से गिर्दवारी में नाम कटने की बजह से किसानो को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है अब किसान अपनी फसल को समिति में सरकारी दरों में नही बेच सकता है सरकार द्वारा इस तरह के नियम कानून लागू कर किसानों की रीढ की हड्डी को चकनाचूर करने मे कोई कोर कसर नही छोड़ रही है साथ में सरकार द्वारा व्यापारियों को किसानों का खून चूसने का अवसर दे रही है। श्री अनुराग ने कहा की किसान को शोषण करने के लिए हरा पीला और लाल टोकन जारी करने का नियम बनाए हैं वह किसान को शोषित करने वाले नियम है किसान कांग्रेस अध्यक्ष ने कहां की किसान को तीन प्रकार के टोकन दिये जाएंगे जिसमें हरा टोकन, हरा टोकन उन किसानों को दिया जाएगा जिनकी उपज एफ ए क्यू (FAQ) मानकों के अनुसार है जो खरीदी योग्य है। पीला टोकन उन किसानों को दिया जाएगा जिनकी उपज एफ ए क्यू (FAQ) मानकों के अनुसार नहीं है और अपग्रेड कराने की आवश्यकता है, यानी (गेहूं की साफ-सफाई)। लाल टोकन उन किसानों को दिया जाएगा जिनकी उपज पूरी तरह से अस्वीकृति किए जाने योग्य है, अर्थात् खरीदी केंद्र में ऐसी उपज को नहीं लिया जाएगा। शासन की इस नीति का फायदा व्यापारी उठाएंगे और शोषण करेंगे। गलती उपकरण की भरे किसान किसान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष अनुराग सिह ने कहा कि किसानों के खेतों में कौन सी फसल बोई गई है इसका सर्वेक्षण पहले पटवारी के माध्यम से गिरदावरी करा कर किया गया था कई गांव के पटवारी गिरदावरी ही नहीं किए थे जिसके कारण किसान अपने उपज बेचने का पंजीयन ही नहीं कर पाया था जिन किसानों ने पंजीयन कर लिया था उन किसानों की खेतों का सेटेलाइट सर्वेक्षण में बोई गई फसल के अनुरूप रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया गया जिसके कारण उन्हें इस लत बुकिंग करने में दिक्कतें जा रही है उदाहरण के तौर पर जिस किसान के खेत में गेहूं की फसल बोई गई थी सर्वेक्षण में उसे खेत को पड़त दिखा दिया गया है या फिर गेहूं की जगह पर चना अथवा सरसों दिखा दिया है इतना ही नहीं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक और खाद्य विभाग ने बकायदे किसानों की सूची जारी की है की कौन-कौन से किसान उपज भेज सकते हैं कौन से किसान पटवारी से संपर्क कर रिकार्ड दुरुस्त करने के बाद ही अपनी उपज भेज सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोटा में सड़कों को ठंडा करने के लिए पानी छिड़का

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ। देश के कई हिस्सों में गर्मी का असर जारी है। राजस्थान, यूपी, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, विदर्भ में लगातार चौथे दिन लू का कहर देखने मिल रहा है। राजस्थान के कोटा में दिन का तामपान 42°C रहा। सड़कों को ठंडा करने के लिए नगर निगम ने टैंकरों से पानी का छिड़काव करवाया। महाराष्ट्र के अकोला और वर्धा में तापमान सबसे ज्यादा 45°C रिकॉर्ड किया गया। ये दोनों शहर रविवार को देश के सबसे गर्म शहर रहे। बिहार के बक्सर में सोमवार को गर्मी के कारण 10 स्टूडेंट स्कूल में बेहोश हो गए। बक्सर में आज पार 42°C पर पहुंच गया है।

इधर, जम्मू-कश्मीर के मैदानी इलाकों में बारिश, पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हुई। बर्फबारी के कारण मुगल रोड, श्रीनगर-कारगिल रोड और बांदीपोरा-गुरेज रोड समेत कई सड़कें बंद हैं। पूर्वोत्तर के 7 राज्य अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में भारी बारिश हुई। गुवाहाटी में रविवार रात हुई तेज बारिश हुई। हाथीगांव और अनिल नगर इलाकों में सड़कों पर 3 फीट तक पानी भर गया है। सड़कों पर खड़ी गाड़ियां डूब गईं। जम्मू और कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हुई और मैदानी इलाकों में बारिश हुई। बर्फबारी के कारण कई सड़कें बंद हैं।

तमिलनाडु फैक्ट्री ब्लास्ट- मरने वालों की संख्या 25 हुई

नई दिल्ली। तमिलनाडु के विरुधुनगर में रविवार को पटाखा फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में मरने वालों की संख्या 25 हो गई है। इनमें 20 लोग एक ही गांव के थे। मरने वालों में 22 महिलाएं और 3 पुरुष हैं। पुलिस के मुताबिक, कई शव इतने बुरी तरह जल गए हैं कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। गहनों से पहचानने की कोशिश की जा रही है। ब्लास्ट केमिकल मिक्स करने वाले शेड में हुआ, जहां करीब 40 मजदूर काम कर रहे थे। नियमों के मुताबिक एक शेड में अधिकतम 4 लोगों को ही काम कर सकते है। हादसे में मृत लोगों के परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया और विरुधुनगर में सड़क जाम कर विरोध शुरू कर दिया। वे हर पीड़ित परिवार को 20 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। हादसा मुथुमणिक्कम गांव की वनजा फायरवर्क्स यूनिट में हुआ है। फैक्ट्री मालिक फरार है। जिला कलेक्टर वीपी जयसीलन ने बताया कि फैक्ट्री रविवार को बंद रहने के बावजूद बिना अनुमति के चल रही थी। हादसे में 25 साल से इस फैक्ट्री में काम कर रही 46 साल की इंद्राणी की भी मौत हो गई। उनकी बेटी मधुबाला ने कहा कि मेरी मां ही घर चलाती थीं। पिता दिव्यांग हैं। मैं पेट्रोल पंप पर काम करती हूं, अब भाई की फीस कौन भरेगा? हमें सरकारी नौकरी दी जाए। एक महिला ने बताया कि मेरे पिता और मां दोनों की मौत हो गई। अब हमारे पास इस दुख को झेलने के अलावा कुछ नहीं है। फैक्ट्री के पास के सीरवैक्कारमपट्टी गांव के रंगनाथन ने बताया कि धमाके के साथ काला धुआं आसमान में फैल गया। कुछ भी पहचान में नहीं आ रहा था। हमने शवों को चार-चार करके गाड़ियों में ले जाते देखा।

लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी ने जयपुर में निकाह किया था

जयपुर। लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी उमर हारिस उर्फ 'खरगोश' ने पहचान बदलकर जयपुर में निकाह किया था। निकाह के लिए फर्जी दस्तावेज बनवाए। इन डॉक्यूमेंट का इस्तेमाल कर भारतीय पासपोर्ट बनवाया। फिर देश से भाग निकला। भागने के बाद उसके सऊदी अरब में छिपने का ठिकाना बनाने की आशंका है। अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल की जांच में इस पूरे मामले का खुलासा हुआ है। जांच एजेंसियों के अनुसार आतंकी उमर हारिस साल 2012 में पाकिस्तान से जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ कर आया था। लंबे समय तक सिक्योरिटी एजेंसियों से छिपकर घाटी में अपनी जड़ें मजबूत करता रहा। ठिकाने बदलने के चलते उसे 'खरगोश' कोड नेम दिया गया था। अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल की जांच का सुपरविजन कर रही श्रीनगर पुलिस ने उमर हारिस की जानकारी केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के साथ शेयर की। इसमें बताया गया कि श्रीनगर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा के एक मॉड्यूल का खुलासा कर 5 संदिग्धों को पकड़ा। यह गिरफ्तारी फरीदाबाद (हरियाणा) के अल फलाह विश्वविद्यालय में केंद्रित एक 'सफेदपोश' आतंकी सेल के भंडाफोड़ के छह महीने बाद हुई है। इसमें पाकिस्तानी आतंकी अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा और उस्मान उर्फ खुबैब भी शामिल हैं। आतंकी अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा 16 साल से फरार था और जम्मू-कश्मीर के बाहर सफलतापूर्वक ठिकाने बना चुका था। पूछताछ में अब्दुल्ला ने अपने और उमर हारिस की देशभर में विशेष रूप से राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में गतिविधियों के बारे में बताया।

चारधाम यात्रा के पहले ही दिन 2 श्रद्धालुओं की मौत

उत्तरकाशी। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के पहले ही दिन दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई। दोनों घटनाएं उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री धाम मार्ग पर हुईं। मध्य प्रदेश से अपने पति के साथ यात्रा पर आई एक महिला की घोड़े से गिरने के कारण मौत हो गई। बताया जा रहा है कि गिरने से महिला के सिर पर गंभीर चोट लगी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 'ब्रॉट डेड' घोषित कर दिया। वहीं, महाराष्ट्र से आए एक बुजुर्ग श्रद्धालु की पैदल चढ़ाई के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई। चढ़ाई करते समय उन्हें सांस लेने में गंभीर दिक्कत हुई। परिजन और प्रशासन की मदद से उन्हें तुरंत जानकीचट्टी स्थित अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। अस्पताल के चिकित्सक डॉ. हरदेव सिंह के अनुसार, प्रारंभिक जांच में बुजुर्ग की मौत का कारण सांस संबंधी बीमारी और ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी माना जा रहा है। पुलिस अधिकारी एसआई राजेश कुमार ने बताया कि पहले मृतक के साथ आए अन्य यात्री दर्शन के लिए आगे बढ़ गए हैं। मृतक की पहचान नासिक, महाराष्ट्र निवासी 67 वर्षीय उदम ताम्बे के तौर पर हुई है। डी.जी.पी. नगर निवासी गजानन्द ताम्बे के पुत्र उदम ताम्बे की तबीयत जानकीचट्टी के पास अचानक बिगड़ी, जिसे अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, उनकी मृत्यु का कारण हाई ब्लड प्रेशर (BP) संबंधी समस्या बताया जा रहा है, जिसकी आधिकारिक सूचना पीएचसी (प्राइमरी हेल्थ सेंटर) जानकीचट्टी द्वारा पुलिस चौकी को दे दी गई है।

लेडीज संगीत में डांस करने पर महिला की हत्या

रोहतक। रोहतक में जेठ ने दरात से काटकर अपने छोटे भाई की पत्नी की हत्या कर दी। महिला पड़ोसियों के यहां लेडीज संगीत पर गई थी। वहां उसे डांस करता देख जेठ भड़क गया। जैसे ही वह घर आई तो उसने दरात से हमला किया। उसने सिर, मुंह, छाती, हाथ समेत शरीर के कई हिस्सों पर वार किए। हमला करने के बाद जेठ फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। महिला के मायके वालों की तरफ से पुलिस को शिकायत दी गई है। मृतका के भाई का आरोप है कि बहन के ससुरालवालों को पिछले महीने भात में जाना था। जेठ ने बहन को धमकी दी थी कि तू वहां गई जो जान से मार देंगे। इसके बाद भी वह चली गई। इसी रंजिश में ससुरालवालों ने उसकी हत्या की है। रोहतक के रिठाल गांव निवासी सुखबीर फोगाट के पड़ोसियों के यहां शादी है। रविवार रात को उनके लेडीज संगीत था। सुखबीर की पत्नी प्रवेश (39) उनके बुलावे पर वहां गई थी। उसने वहां अन्य महिलाओं के साथ डांस भी किया। जैसे ही प्रवेश वहां डांस करने के बाद लौटी तो घर पर जेठ जसबीर फोगाट ने उससे डांस करने पर झगड़ा करना शुरू कर दिया।

होर्मुज में बढ़ा तनाव, अमेरिका ने ईरानी जहाज कब्जे में लिया

- ईरान ने बताया समुद्री डकैती
- डोनाल्ड ट्रंप का दावा- चेतावनी के बावजूद नहीं रुका जहाज

एजेंसी, तेहरान/वॉशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। ताजा घटनाक्रम में अमेरिका ने ईरान के एक मालवाहक जहाज को अपने कब्जे में ले लिया है, जिससे क्षेत्रीय हालात और संवेदनशील हो गए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुसार ईरान का 'टॉस्का' नामक यह जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने की कोशिश कर रहा था। इसे अमेरिकी नौसेना के डेस्ट्रॉयर ने रोका। ट्रंप ने दावा किया कि जहाज को कई बार चेतावनी दी गई, लेकिन उसने निर्देशों का पालन नहीं किया, जिसके बाद अमेरिकी मरीन ने कार्रवाई करते हुए उसे अपने नियंत्रण में ले लिया। ईरान ने इसे समुद्री डकैती बताया है और सख्त से सख्त जवाब देने की बात कही है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, कि ईरानी जहाज टॉस्का फिलहाल पूरी तरह अमेरिकी नियंत्रण में है और उसकी जांच की जा रही है कि उसमें क्या सामग्री मौजूद है। इस कार्रवाई को अमेरिका ने सुरक्षा और निगरानी के तहत उठाया गया कदम बताया है।

वहीं, ईरान ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के हजरत खातम अल-अनबिया सैन्य मुख्यालय ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने संघर्षविराम का उल्लंघन करते हुए ओमान की खाड़ी में ईरानी व्यापारिक जहाज पर फायरिंग की, जिससे उसका नेविगेशन सिस्टम प्रभावित हुआ। ईरान की सरकारी एजेंसियों के मुताबिक, यह जहाज चीन से ईरान की ओर जा रहा था। तेहरान ने इस कार्रवाई को "समुद्री डकैती" करार देते हुए चेतावनी दी है कि इसका सख्त से सख्त जवाब जल्द दिया जाएगा।

वार्ता पर पड़ सकता है असरः इस घटनाक्रम के बीच दोनों देशों के बीच जारी कूटनीतिक प्रयासों पर भी असर पड़ता दिख रहा है। पहले दौर की वार्ता असफल रहने के बाद दूसरे दौर को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ईरान की सरकारी एजेंसी ने इस्लामाबाद में प्रस्तावित वार्ता की खबरों को खारिज करते हुए उन्हें "झूठा प्रचार" बताया है। वहीं दूसरी तरफ विशेषज्ञों की राय है, कि होर्मुज जैसे रणनीतिक जलमार्ग में इस तरह की कार्रवाई वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर असर डाल सकती है। ऐसे में आने वाले दिनों में स्थिति किस दिशा में जाती है, इस पर पूरी दुनिया की नजर बनी हुई है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने पाकिस्तानी आर्मी चीफ से बात की

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी/तेहरान

- मुनीर बोले- होर्मुज पर नाकाबंदी रही तो बातचीत मुश्किल, ट्रम्प बोले- सोचूंगा

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर से फोन पर बात की। एक पाकिस्तानी सुरक्षा सूत्र के मुताबिक, ट्रम्प ने कहा कि वे होर्मुज पर लगे ब्लॉकेड को लेकर उठाई गई चिंताओं पर विचार करेंगे। सूत्र के अनुसार, दोनों के बीच इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई। आसिम मुनीर ने ट्रम्प से कहा कि अगर होर्मुज पर रोक जारी रही, तो ईरान के साथ बातचीत आगे नहीं बढ़ पाएगी। इसके जवाब में ट्रम्प ने कहा कि वे इस पर सोचेंगे। अमेरिका ने ईरान के पास समुद्र में नाकेबंदी कर रखी है। इससे नाराज होकर ईरान ने शनिवार को होर्मुज को बंद कर दिया था। अमेरिका और ईरान के तनाव बढ़ने की वजह ट्रम्प की ईरान को धमकी और ईरानी जहाज 'टूस्का' को कब्जे में लेना है। इसे लेकर ईरान ने नाराजगी जताई और इसे समुद्री डकैती करार दिया और कहा कि वे जल्द इसका जवाब देंगे।

अमेरिका-ईरान की बातचीत पर सस्पेंसः होर्मुज में बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान में दोनों देशों के बीच दूसरी दौर की बातचीत होगी या नहीं, इसे लेकर सस्पेंस बना हुआ है। ईरान ने कहा कि अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी सीजफायर के समझौते का उल्लंघन है और अमेरिका की धमकी भरी भाषा से हालात और खराब हो रहे हैं। इन परिस्थितियों में बातचीत की उम्मीद बहुत कम है। वहीं अल जजीरा की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि बातचीत एक नहीं बल्कि कई दिनों तक चल सकती है। कोशिश यह है कि एक अस्थायी समझौता यानी MoU साइन हो जाए, जिससे सीजफायर आगे बढ़ सके और करीब 60 दिन का समय मिल जाए ताकि बड़ा शांति समझौता तैयार किया जा सके।

सुभाषचंद्र बोस को 'राष्ट्रपुत्र' घोषित करने की मांग खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली

- सुप्रीम कोर्ट बोला- पब्लिसिटी के लिए सब करते हो, कोर्ट में एंट्री बैन कर देंगे

सुप्रीम कोर्ट ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को 'राष्ट्रपुत्र' घोषित करने और आजाद हिंद फौज (INA) को भारत की आजादी का श्रेय देने की मांग वाली PIL खारिज कर दी। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को "न सुधरने वाला" बताया और सख्त टिप्पणी की। सोमवार को चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने याचिकाकर्ता पिनाकपानी मोहंती को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि वह पहले भी इसी तरह की याचिका दाखिल कर चुके हैं और अब अदालत का समय बर्बाद कर रहे हैं। कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो याचिकाकर्ता के सुप्रीम कोर्ट में आने पर भी रोक लगाई जा सकती है। साथ ही रजिस्ट्री को निर्देश दिया गया कि भविष्य में उनकी कोई PIL मंजूर न की जाए। मोहंती ने इससे पहले 2024 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मौत की जांच की मांग करते हुए एक जनहित याचिका दायर की थी। उस मामले में, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने याचिकाकर्ता के इरादों पर सवाल उठाया था। साथ ही चुनावों के संदर्भ में याचिका दायर करने के समय पर सवाल पूछा था।

मणिपुर में प्रदर्शनकारियों-सुरक्षा बलों में झड़प आंसू गैस छोड़ी, मशाल रैली रोकने पर टकराव

एजेंसी, नई दिल्ली

मणिपुर में शटडाउन के बीच रविवार रात कई इलाकों में प्रदर्शन हुए। इंफाल ईस्ट के कोईरेंगेई, इंफाल वेस्ट के उरिपोक और कक्चिंग जिले में मशाल रैलियां निकाली गईं। कक्चिंग में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हुई। भीड़ को हटाने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस, स्मोक बम और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया। झड़प में कई लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल, 6 अप्रैल को ट्रोंग्लाओबी आवांग लेइकाई एक घर पर बम धमाके में दो बच्चों की मौत हुई थी। इन्हीं के न्याय के लिए प्रदर्शन हो रहे है। हालात को काबू में करने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) तैनात की गई।

पुलिस बोली- रैलियों की आड़ में हमलेः इंफाल वेस्ट के एसपी शिवकांत सिंह ने कहा कि हाल के प्रदर्शनों में कुछ असामाजिक तत्व रैलियों का फायदा उठाकर सुरक्षाबलों पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमलों में लोहे के प्रोजेक्टाइल, गुलेल, पत्थर और पेट्रोल बम का इस्तेमाल किया गया। कई लोग नशे की हालत में भी पाए गए। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सगोलबंद हिंसा में 21 गिरफ्तारः पुलिस ने 18 अप्रैल को पातसोई से सगोलबंद के बीच इम्फाल-जिरीबाम रोड पर निकाली गई मशाल रैली के दौरान हुई हिंसा के मामले में 21 लोगों को गिरफ्तार किया है। रैली के दौरान भीड़ ने पथराव, पेट्रोल बम और गुलेल का इस्तेमाल किया, जिससे कई सुरक्षाकर्मी घायल हुए। सीआरपीएफ की 232वीं बटालियन के तीन जवान गंभीर रूप से घायल हुए, जबकि सरकारी वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों में सगोलबंद, तेरा, उरिपोक, ब्रह्मापुर, लांगथाबल, नगामापाल, नाओरेमथोंग और थांगमेइबंद समेत इंफाल के कई इलाकों के निवासी शामिल हैं।

5 दिनों तक शटडाउनः मेइरा पाइबी संगठन ने हमले के आरोपियों की 25 अप्रैल तक गिरफ्तारी की मांग की है। घाटी के जिलों में पहले से ही 5 दिन का टोटल शटडाउन जारी है। वहीं, नागा बहुल इलाकों में अलग से 3 दिन का बंद बुलाया गया है। बाजार बंद होने से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है।

अमेरिका के लुइसियाना में बंदूकधारी ने आठ बच्चों की हत्या की

एजेंसी, बैटन रूज (लुइसियाना)

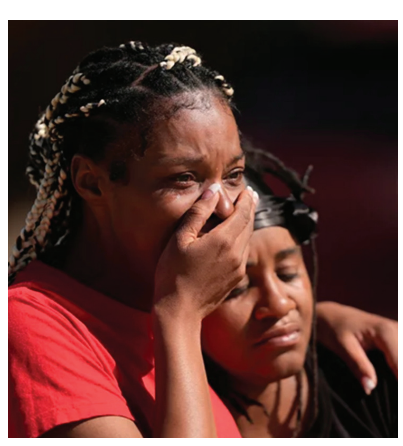

अमेरिका के लुइसियाना प्रांत के श्रेवेपोर्ट में एक बंदूकधारी ने रविवार तड़के तीन घरों में घुसकर आठ बच्चों को गोली मारकर हत्या कर दी। जनवरी 2024 के बाद से यह देश की सबसे घातक सामूहिक गोलीबारी की घटना है। इस घटना से श्रेवेपोर्ट के आसपास के लोग दहल गए। जो भी घटनास्थल पर पहुंचा, वह फूट-फूटकर रो पड़ा। लुइसियाना में कैडो पैरिश कोरोनर कार्यालय (मृत्यु के कारणों की जांच करने वाली स्वतंत्र एजेंसी) ने बताया है कि इस दौरान एक 13 वर्षीय लड़का घर की छत से कूदने के बाद घायल हो गया। उसकी कुछ हड्डियां टूट गई हैं।

सीएनएन चैनल और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, श्रेवेपोर्ट पुलिस प्रवक्ता क्रिस बोर्डेलॉन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कुल 10 लोग गोलीबारी का शिकार हुए। संदिग्ध शूटर की पहचान शमार एल्किन्स के रूप में हुई है। वह पुलिस गोलीबारी में मारा गया। मारे गए बच्चों में तीन लड़के और पांच लड़कियां हैं। इनमें सात सगे भाई-बहन हैं। उन्होंने बताया कि इस गोलीबारी में जयला एल्किन्स (3), शायला एल्किन्स (5), कायला प्यू (6), लेयला प्यू (7), मार्केडॉन प्यू (10), सरियाह स्नो (11), खेडेरियन स्नो (6) और ब्रेयलॉन स्नो (5) की मौत हो गई।

श्रेवेपोर्ट पुलिस ने बयान में कहा कि गोलीबारी के दौरान दो महिलाओं का गंभीर चोट आई है। गोलीबारी में एक किशोर भी घायल हुआ है। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध ने सबसे पहले सड़क पर एक महिला को गोली मारी। इसके बाद वह पास के एक घर में घुस गया, वहां आठ लोगों को गोली मार दी। लुइसियाना की अटॉर्नी जनरल लिज मुरिल ने एक्स पोस्ट पर कहा कि कई कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस घटना की जांच कर रही हैं। राज्य प्रतिनिधि टैमी फेल्प्स ने बताया कि गोलीबारी के दौरान कुछ बच्चों ने पीछे के दरवाजे से भागने की कोशिश भी की।

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना के संदिग्ध एल्किन्स 2019 को हथियारों से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। अमेरिकी आर्मी के अनुसार, एल्किन्स ने सात साल तक लुइसियाना आर्मी नेशनल गार्ड में भी सेवा दी थी। श्रेवपोर्ट के मेयर टॉम आर्सेनो ने कहा, " इस घटना से पूरा शहर हिल गया है।" गन वायलेंस आर्काइव के अनुसार, इस साल अब तक अमेरिका में कम से कम 114 सामूहिक गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं।

नगर परिषद की सदस्य तबाथा एच. टेलर घटनास्थल पर मंजर देखकर फूट-फूटकर रो पड़ीं। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुखद है। यह श्रेवेपोर्ट के इतिहास की सबसे बुरी घटना है। उन्होंने कहा, ''मेरा दिल सन्न रह गया है।'' श्रेवेपोर्ट पुलिस चीफ वेन स्मिथ ने कहा, '' मैं तो यह सोच भी नहीं पा रहा कि ऐसी घटना कैसे हो सकती है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या कहूं। '' यूएस हाउस के स्पीकर माइक जॉनसन ने इन हत्याओं को दिल तोड़ने वाला बताया। जॉनसन कांग्रेस में श्रेवेपोर्ट इलाके का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा, '' इस बेहद मुश्किल समय में हम पीड़ितों के साथ खड़े हैं।''

जापान में 7.5 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी

एजेंसी, टोक्यो

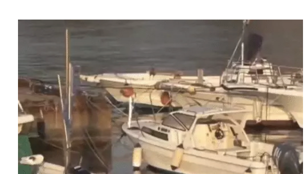

- बुलेट ट्रेन सर्विस रोकी, तटीय इलाके खाली कराए, लोगों से ऊंचाई पर जाने की अपील

जापान में सोमवार दोपहर 1:23 बजे (भारतीय समयानुसार) 7.5 तीव्रता का जोरदार भूकंप आया। भूकंप का केंद्र तट से करीब 100 किमी दूर समुद्र में 10 किमी गहराई पर था। जापानी मौसम एजेंसी ने इवाते, होक्काइडो और आओमोरी के तटीय इलाकों में 3 मीटर तक ऊंची सुनामी की चेतावनी जारी की है। भूकंप के बाद इवाते पर करीब 3 फीट, मियाको और हाचिनोहे में डेढ़ फीट तक लहरें दर्ज की गईं। इन इलाकों में पानी का स्तर बढ़ रहा है।

सुरक्षा के मद्देनजर बुलेट ट्रेन सेवाएं रोक दी गई हैं। प्रशासन ने तटीय इलाकों को खाली कराना शुरू कर दिया है और लोगों को समुद्र तट व नदियों से दूर रहने तथा तुरंत ऊंचे स्थानों पर जाने की सलाह दी है। राहत एजेंसियां लगातार हालात पर नजर रख रही हैं। होक्काइडो, आओमोरी, इवाते, मियागी और फुकुशिमा प्रान्तों के 1.7 लाख निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश दिया गया है। प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों से तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।

राजनाथ सिंह ने कहा- भाजपा सत्ता में आई तो गुंडाराज समाप्त किया जाएगा

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि यदि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनती है, तो राज्य में गुंडाराज का अंत किया जाएगा। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार, भय और हिंसा का माहौल बनाने का आरोप लगाया। बीरभूम जिले के सैंथिया में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि राज्य सरकार के पास विकास कार्यों के लिए पर्याप्त अवसर थे, लेकिन असामाजिक तत्वों ने पश्चिम बंगाल की स्थिति खराब कर दी। उन्होंने कहा कि एक समय राज्य में निवेशक आने को तैयार थे, लेकिन वर्तमान माहौल ने सब कुछ बदल दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भाजपा सत्ता में आई तो गुंडाराज समाप्त किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासन में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है, इसे कोई नकार नहीं सकता। चेतावनी भरे स्वर में उन्होंने कहा कि अब जनता को तय करना है कि वह भय और आतंक का शासन चाहती है या उससे मुक्ति। उन्होंने कहा कि यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनी तो गुंडे या तो भाग जाएंगे या जेल के पीछे होंगे। महिलाओं के मुद्दे पर भी उन्होंने तृणमूल कांग्रेस को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने के प्रयासों का विपक्षी दलों ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की महिलाएं इस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को इसका जवाब देंगी। रक्षा मंत्री ने दावा किया कि राज्य में विभिन्न चुनावी कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद उन्हें महसूस हुआ है कि जनता इस बार परिवर्तन चाहती है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच ग्रामीण योजनाओं की निरंतरता सुनिश्चित करने में जुटी सरकार

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रामीण विकास मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT
GOVERNMENT OF INDIA

पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति और उसके कारण वैश्विक सप्लाई चेन, वस्तुओं की कीमतों तथा महंगाई पर संभावित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने देशभर में चल रही प्रमुख ग्रामीण कल्याण और आधारभूत ढांचा योजनाओं की समीक्षा की है। मंत्रालय ग्रामीण रोजगार, आवास निर्माण, सड़क विकास और जल संरक्षण योजनाओं पर संभावित असर की लगातार निगरानी कर रहा है। लाभार्थियों को समय पर सहायता मिले, फंड की उपलब्धता बनी रहे और योजनाओं का कार्य सुचारु रूप से चलता रहे, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

सोमवार को इंटर मिनिस्टीरियल पत्रकार वार्ता में ग्रामीण विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव अमित शुक्ला ने बताया रोजगार और मजदूरी सुरक्षा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), 2005 प्रस्तावित वीबी- जी राम जी एक्ट, 2025 लागू होने तक पूरी तरह प्रभावी रहेगा। ग्रामीण परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने में कोई बाधा नहीं आएगी। मनरेगा के तहत मांग पर रोजगार देने, समय पर मजदूरी भुगतान सहित सभी कानूनी अधिकार पहले की तरह जारी रहेंगे। केंद्र सरकार द्वारा तय वर्तमान मजदूरी दरें लागू रहेंगी। मजदूरी भुगतान समय पर हो, इसके लिए लगभग 17,744 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि नया कानून लागू होने पर 125 दिनों के रोजगार की बेहतर गारंटी दिए जाने का प्रस्ताव है। संशोधित मजदूरी दरें अलग से घोषित की जाएंगी।

ग्रामीण आवास योजना पर विशेष ध्यानः ग्रामीण क्षेत्रों में "सभी के लिए आवास" लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत मार्च 2029 तक 4.95 करोड़ घरों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि निर्माण सामग्री की आपूर्ति या कीमतों में उतार-चढ़ाव की संभावना को देखते हुए समय पर डीबीटी भुगतान, आवास सोफ्ट से निगरानी, जियो-टैगिंग और अधूरे घरों को शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही मजदूरी, शौचालय, पेयजल, गैस कनेक्शन और बिजली जैसी मूल सुविधाओं का भी समन्वित लाभ दिया जा रहा है। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए मटेरियल बैंक जैसी व्यवस्थाओं को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

ग्रामीण सड़क योजनाएं जारीः प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत राज्यों द्वारा प्रस्तावित वर्तमान दरों के अनुसार कार्य स्वीकृत किए जा रहे हैं। अमित शुक्ला ने कहा कि पीएमजीएसवाई -I, II, III तथा वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों की सड़क परियोजनाओं के अधिकांश कार्य स्वीकृत और टेंडर चरण में हैं। पीएमजीएसवाई -III के कुछ पुल संबंधी कार्य शेष हैं। पीएमजीएसवाई -IV के तहत लगभग 12,100 किलोमीटर सड़क कार्य स्वीकृत किए जा चुके हैं और टेंडर प्रक्रिया में हैं। भविष्य की परियोजनाओं में बाजार दरों और लागत के अनुसार नई दरों का उपयोग किया जाएगा।

अमेरिका में गन वायलेंस बनाम भारत- गन कानून और घटनाओं की तुलना -कानून,संस्कृति, इतिहास, सामाजिक ढांचे और राजनीतिक अर्थव्यवस्था इन सबक़ा संयोजन -समग्र वैश्विक विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» घरेलू हिंसा और बंदूक का संयोजन एक घातक मिश्रण- पारिवारिक विवाद,मानसिक तनाव और गन एक्सेस का मेल बहुत बड़ी त्रासदी को जन्म दे सकता है

» अमेरिका और भारत के बीच गन वायलेंस का अंतर केवल कानून की सख़्ती का परिणाम नहीं-इतिहास, संस्कृति, सामाजिक संरचना,आर्थिक परिस्थितियों और राजनीतिक इच्छाशक्ति का संयुक्त प्रभाव -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर यह स्तब्ध करने वाली घटना है क़ि 19 अप्रैल 2026 को एक बार फिर अमेरिका में दर्दनाक हत्याकांड हुआ हैं जिसमें 8 बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है ज़ो मास शूटिंग की बड़ी घटना है।अमेरिका में गन वायलेंस, विशेषकर स्कूलों और बच्चों को निशाना बनाने वाली घटनाएं,आधुनिक विश्व के सबसे जटिल और बहुआयामी सामाजिक संकटों में से एक बन चुकी हैं। यह केवल अपराध या व्यक्तिगत हिंसा का प्रश्न नहीं है, बल्कि एक ऐसा संरचनात्मक संकट है जिसमें कानून, संस्कृति मानसिक स्वास्थ्य, मीडिया प्रभाव और राजनीतिक ध्रुवीकरण सभी की भूमिका जुड़ी हुई है। लगभग एक सदी में विकसित इस समस्या को समझने के लिए इसे कालक्रम, पैटर्न, कारण और प्रभाव के व्यापक संदर्भ में देखना आवश्यक है। अभी 19 अप्रैल 2026 को श्रेवेपोर्ट में एक चौंकाने वाली और दिल दहला देने वाली घटना हुई है,जहाँ हाल के यू.एस इतिहास की सबसे खतरनाक घटनाओं में से एक में मास शूटिंग में आठ बच्चों की जान चली गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक,यह हमला घरेलू हिंसा से जुड़ा था। संदिग्ध बंदूकधारी, जिसकी पहचान परिवार के सदस्य के तौर पर हुई है, ने कथित तौर पर अपने ही सात बच्चों और एक और बच्चे को मार डाला। पीड़ित सभी नाबालिग थे, जिनमें बहुत छोटे बच्चों से लेकर टीनएजर्स तक शामिल थे। हमले में दो महिलाएं भी गंभीर रूप से घायल हुईं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि अमेरिका में गन वायलेंस (बंदूक हिंसा) का मुद्दा केवल अपराध या कानून- व्यवस्था की समस्या नहीं रह गया है,बल्कि यह एक गहरे सामाजिक,मनोवैज्ञानिक और राजनीतिक संकट का रूप ले चुका है। हाल के वर्षों में स्कूलों, सार्वजनिक स्थानों और घरों के भीतर होने वाली गोलीबारी की घटनाओं ने अमेरिकी समाज की संवेदनशीलता को झकझोर कर रख दिया है। इसी कड़ी में श्रेवेपोर्ट शहर से सामने आई एक दर्दनाक घटना ने दुनियाँ को एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर अमेरिका में बंदूक संस्कृति किस हद तक विकराल रूप ले चुकी है। यह घटना केवल एक अपराध नहीं बल्कि सामाजिक विफलताओं का चरम उदाहरण है।यह घटना इसलिए भी अधिक भयावह है क्योंकि यह किसी सार्वजनिक स्थल पर नहीं, बल्कि घर के भीतर हुई।

सामान्यतः घर को सबसे सुरक्षित स्थान माना जाता है, लेकिन अमेरिका में कई मामलों में घर ही सबसे खतरनाक जगह बनता जा रहा है,खासकर जब वहां हथियारों की आसान उपलब्धता हो। घरेलू हिंसा और बंदूक का संयोजन एक घातक मिश्रण बन जाता है। इस घटना ने यह उजागर किया है कि पारिवारिक विवाद, मानसिक तनाव और गन एक्सेस का मेल कितनी बड़ी त्रासदी को जन्म दे सकता है। साथियों बात अगर हम अमेरिका में गन वायलेंस विशेषकर स्कूल शूटिंग को समझे तो इसके बाद अगला स्वाभाविक प्रश्न यह उठता है कि आखिर यह समस्या इतनी अधिक अमेरिका में ही क्यों केंद्रित है, और भारत जैसे विशाल व विविधतापूर्ण देश में यह क्यों लगभग न के बराबर दिखाई देती है।इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून सख्त हैं या ढीले हैं जैसे सरल निष्कर्षों में नहीं छिपा है, बल्कि यह इतिहास,संविधान,सामाजिक संरचनासंस्कृति आर्थिक असमानता,मानसिक स्वास्थ्य और राजनीतिक विमर्श के जटिल अंतर्संबंधों में निहित है। इस संदर्भ में यदि अमेरिका और भारत की तुलना अंतरराष्ट्रीय स्तर के विश्लेषण के रूप में की जाए, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि दोनों देशों के बीच अंतर केवल नीतिगत नहीं बल्कि मानसिकता और संस्थागत ढांचे का भी है। साथियों बात अगर हम सबसे पहले अमेरिका की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझने की करें तो अमेरिका का निर्माण ही हथियारों के साथ हुआ औपनिवेशिक काल, स्वतंत्रता संग्राम और वाइल्ड वेस्ट संस्कृति ने वहां हथियार को केवल सुरक्षा का साधन नहीं बल्कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पहचान का प्रतीक बना दिया। यही कारण है कि सेकंड अमेन्डमेन्ट टू द यूनाइटेड स्टेट्स कंस्टीटूशन अमेरिकी नागरिकों को हथियार रखने का मौलिक अधिकार देता है। इस संशोधन की व्याख्या वर्षों से राजनीतिक और न्यायिक बहस का केंद्र रही है,लेकिन व्यापक रूप से इसे नागरिकों के हथियार रखने के अधिकार के रूप में ही समझा जाता है। इसके विपरीत भारत में ऐसा कोई संवैधानिक अधिकार नहीं है; यहां हथियार रखना एक विशेष अनुमति का विषय है, जिसे राज्य नियंत्रित करता है। साथियों बात अगर हम भारत में हथियारों के नियमनका मुख्य आधार आर्म्स एक्ट 1959 है, इसको समझने की करें तो, यह नागरिकों को केवल विशेष परिस्थितियों में ही लाइसेंस प्राप्त हथियार रखने की अनुमति देता है।इसके तहत लाइसेंस प्राप्त करना एक लंबी प्रशासनिक प्रक्रिया है,जिसमें पुलिस व प्रशासनिक जांच शामिल होती है। इसके उलट अमेरिका में कई राज्यों में हथियार खरीदना अपेक्षाकृत आसान है,और कुछ मामलों में बिना विस्तृत पृष्ठभूमि जांच के भी हथियार प्राप्त किए जा सकते हैं।यही कारण है कि अमेरिका में प्रति 100 नागरिकों पर हथियारों की संख्या विश्व में सबसे अधिक है,जबकि भारत में यह संख्या अत्यंत कम है।यह अंतर केवल कानून का नहीं बल्कि कानून के पीछे की सामाजिक स्वीकृति का भी है। अमेरिका में हथियार रखने को सामान्य और वैध माना जाता है, जबकि भारत में इसे आमतौर पर असाधारण या संदिग्ध दृष्टि से देखा जाता है।भारतीय समाज में हथियारों का सार्वजनिक प्रदर्शन सामाजिक रूप से स्वीकार्य नहीं है,जबकि अमेरिका में यह कई क्षेत्रों में सामान्य जीवन का हिस्सा है। इस सांस्कृतिक अंतर का सीधा प्रभाव अपराध के पैटर्न पर पड़ता है, विशेषकर स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर। साथियों बात अगर हम अब यदि स्कूल गन वायलेंस की घटनाओं को देखकर समझने की करें तो तो अमेरिका में कॉलम्बीने हाई स्कूल मस्सक्रे के बाद से एक नया दौर शुरू हुआ,जिसमें स्कूलों को विशेष रूप से निशाना बनाया जाने लगा। यह घटना केवल एक अपराध नहीं थी, बल्कि एक सांस्कृतिक टर्निंग पॉइंट थी, जिसने आगे आने वाले हमलावरों के लिए एक खतरनाक उदाहरण स्थापित किया। इसके बाद सैंडी हुक एलिमेंटरी स्कूल शूटिंग और उवालदे स्कूल शूटिंग जैसी घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब यह समस्या केवल किशोरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि छोटे बच्चों तक पहुंच चुकी है। भारत में इसके विपरीत स्कूलों में इस प्रकार की सामूहिक गोलीबारी की घटनाएं लगभग न के बराबर हैं। इसका एक कारण यह भी है कि यहां हथियारों तक पहुंच सीमित है, लेकिन इसके अलावा भी कई महत्वपूर्ण कारण हैं। भारतीय समाज में परिवार और समुदाय की भूमिका अपेक्षाकृत अधिक मजबूत है, जिससे किशोरों में अलगाव की भावना अपेक्षाकृत कम होती है। हालांकि यह कहना पूरी तरह सही नहीं होगा कि भारत में मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं नहीं हैं बल्कि कई मामलों में यह समस्याएं दबा दी जाती हैं लेकिन वे अमेरिका की तरह हिंसात्मक विस्फोट के रूप में कम सामने आती हैं। साथियों बात अगर हम अमेरिका में गन वायलेंस को बढ़ाने वाले कारकों को समझने की करें तो उनमें एक प्रमुख तत्व व्यक्तिवाद है। वहां व्यक्ति की स्वतंत्रता को अत्यधिक महत्व दिया जाता है, जिससे सामाजिक नियंत्रण अपेक्षाकृत कम हो जाता है। इसके विपरीत भारत में सामूहिकता की प्रवृत्ति अधिक है,जहां परिवार और समाज व्यक्ति के व्यवहार को नियंत्रित करते हैं। यह अंतर भी हिंसा के स्वरूप को प्रभावित करता हैअमेरिका में जहां व्यक्ति अपनी समस्याओं का समाधान स्वयं करने की प्रवृत्ति रखता है, वहीं भारत में व्यक्ति अक्सर परिवार या समाज के माध्यम से समाधान खोजने का प्रयास करता है।इसके अलावा मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। अमेरिका में कई हमलावरों ने पहले से अपनी योजनाओं को ऑनलाइन साझा किया या पिछले हमलों से प्रेरणा ली। इसे "कॉपीकैट इफेक्ट" कहा जाता है, जो कॉलम्बीने हाई स्कूल मस्सक्रे के बाद से लगातार देखा गया है। भारत में भी सोशल मीडिया का प्रभाव बढ़ रहा है, लेकिन वहां इस प्रकार की हिंसात्मक प्रेरणा अभी तक व्यापक रूप से नहीं फैली है।एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू है कानून का प्रवर्तन।अमेरिका में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अत्याधुनिक होने के बावजूद कई घटनाओं में प्रतिक्रिया देने में विफल रही हैं, जैसे उवालदे स्कूल शूटिंग में देखा गया। इसके विपरीत भारत में भले ही पुलिस संसाधनों की कमी से जूझती हो,लेकिन स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर हथियारों की अनुपस्थिति के कारण इस प्रकार की त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता बहुत ही कम पड़ती है। साथियों बात अगर हम आर्थिक और सामाजिक असमानता भी एक महत्वपूर्ण कारक है इसको समझने की करें तो,अमेरिका एक विकसित देश होने के बावजूद वहां आय असमानता और सामाजिक तनाव उच्च स्तर पर है, जो युवाओं में असंतोष और आक्रोश को जन्म देता है। भारत में भी असमानता है, लेकिन वहां हिंसा का स्वरूप अलग है यह अधिकतर सामुदायिक या व्यक्तिगत स्तर पर दिखाई देता है, न कि स्कूलों में सामूहिक गोलीबारी के रूप में।यदि मानसिक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से देखें, तो अमेरिका में इस विषय पर खुलकर चर्चा होती है, लेकिन इसके बावजूद उपचार और सहायता तक पहुंच में असमानता है। कई हमलावर पहले से मानसिक समस्याओं से जूझ रहे थे, लेकिन उन्हें समय पर सहायता नहीं मिली। भारत में मानसिक स्वास्थ्य को अभी भी सामाजिक कलंक के रूप में देखा जाता है, जिससे लोग सहायता लेने से बचते हैं। यह एक अलग प्रकार की चुनौती है, जो भविष्य में नए प्रकार केसटीक संकट उत्पन्न कर सकती है। साथियों बात अगर हम राजनीतिक स्तर पर भी दोनों देशों में बड़ा अंतर है इसको समझने की करें तो अमेरिका में गन कंट्रोल एक अत्यंत विवादास्पद मुद्दा है, जहां नेशनल राइफल एसोसिएशन जैसी शक्तिशाली लॉबी कानूनों को प्रभावित करती हैं। इसके विपरीत भारत में हथियारों को लेकर कोई बड़ा राजनीतिक ध्रुवीकरण नहीं है,औरअधिकांश दल सख्त नियंत्रण के पक्ष में हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि यह कहा जा सकता है कि अमेरिका और भारत के बीच गन वायलेंस का अंतर केवल कानून की सख्ती का परिणाम नहीं है, बल्कि यह इतिहास, संस्कृति, सामाजिक संरचना, आर्थिक परिस्थितियों और राजनीतिक इच्छाशक्ति का संयुक्त प्रभाव है। अमेरिका में जहां हथियार व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रतीक हैं, वहीं भारत में वे राज्य द्वारा नियंत्रित संसाधन हैं। यही मूलभूत अंतर दोनों देशों के अनुभवों को पूरी तरह अलग बना देता है।भविष्य की दृष्टि से यह तुलना केवल अकादमिक महत्व की नहीं है, बल्कि नीति-निर्माण के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अमेरिका को भारत जैसे देशों से यह सीखने की आवश्यकता है कि हथियारों पर सख्त नियंत्रण और सामाजिक संरचना को मजबूत बनाकर इस समस्या को कैसे कम किया जा सकता है। वहीं भारत को यह समझने की आवश्यकता है कि तेजी से बदलते सामाजिक और डिजिटल परिवेश में मानसिक स्वास्थ्य और युवा असंतोष जैसे मुद्दों को नजरअंदाज करना भविष्य में गंभीर परिणाम दे सकता है।इस प्रकार, गन वायलेंस की समस्या एक "देश विशेष" की समस्या नहीं है, बल्कि यह आधुनिक समाज की जटिलताओं का परिणाम है जिसे समझने और समाधान खोजने के लिए वैश्विक दृष्टिकोण और बहु-आयामी रणनीति की आवश्यकता है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

भारतीय शिप ईरान की आई आर जी सी सेना की गोलिबारी निंदनीय

लेखक- संजय गोस्वामी

शनिवार 18 अप्रैल 26 को भारत सरकार के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, ईरानी आईआरजीसी ने नौसेना की गनबोटों ने भारतीय ध्वज वाले टैंकरों के पास चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं भारतिय दो टैंकर पर आई आर जी सी ने गोली चला दी भारत ने होर्मुज़ स्ट्रेट पर दो भारतीय जहाज़ों पर हुई गोलीबारी की घटना पर गंभीर चिंता जताते हुए देश में ईरान के राजदूत को तलब किया। हालांकि, विदेश मंत्रालय के बयान में समन शब्द का प्रयोग नहीं किया गया, लेकिन यह संकेत दिया गया कि ईरानी राजदूत फाथली को शनिवार शाम जवाहरलाल नेहरू भवन में विदेश सचिव से मिलने के लिए कहा गया था।भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने शनिवार (18 अप्रैल) शाम को भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथली को तलब किया और होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी युद्धपोतों द्वारा दो भारतीय जहाजों पर की गई गोलीबारी पर 'गंभीर चिंता' जताई है। ये घटनाएं ऐसे समय हुईं, जब ईरान ने जवाबी कार्रवाई के तौर पर इस महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य को फिर से बंद कर दिया है। यह बंदी अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर यातायात की निरंतर नाकाबंदी के जवाब में की गई है, जबकि तेहरान ने इस सप्ताह की शुरुआत में वाणिज्यिक यातायात के लिए इस मार्ग को खोलने का निर्णय लिया था वो जो टैंकर था वो तो आप सभी धर्मों के लोगों के लिए था ऐ बहुत ही शर्मनाक घटना है फिर भी यहाँ के लोग उसको सपोर्ट करते हैं गलत है राष्ट्र सर्वोपरि है भारत माता के लिए हमेशा हमें शनिवार 18 अप्रैल 26 को होरमुज़ जलडमरूमध्य में भारत के झंडे वाले दो जहाजों पर हुई फायरिंग ने ईरान की सत्ता संरचना में बढ़ती दरार को उजागर कर दिया है। यह फायरिंग इस बात को लेकर हुई भ्रम के कारण हुई कि शनिवार को होरमुज़ जलडमरूमध्य खुला था या नहीं। जहाँ एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा कि सभी जहाज होरमुज़ जलडमरूमध्य से गुज़र सकते हैं, लेकिन केवल तभी जब वे ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के साथ समन्वय करें, वहीं इसके विदेश मंत्री, अब्बास अराघची ने कहा कि फ़ारस की खाड़ी में यह संकरा रास्ता खुला है, क्योंकि लेबनान में इज़राइल-हिज़्बुल्ला युद्ध के लिए संघर्ष-विराम समझौते पर सहमति बन गई थी। भारत को नेवी शिप भेज कर इसका करारा ज़बाब देना चाहिए भारत 140 करोड़ लोगों का एक लोकतान्त्रिक देश है और भारत ऐसा देश है जो गोली का ज़बाब गोली से देना जानता है भारत के लोग कहीं भी हो अगर हमला हुआ है तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए ईरान में सत्ता संघर्ष हो या कुछ भी ऐ एक आतंकवादी घटना है शिप पर भारत का तिरंगा होगा यदि इसे शक्ति से नहीं लिया गया तो आतंकी का हौसला बढ़ेगा और दुनिया में इसे मज़ाक बनाया जाएगा जिससे भारत की छवि धूमिल होगी जब ईरान की नेवी को अमेरिका के हमले से बचाने के लिए कोच्ची में अपना नेवी शिप भेज कर अमेरिका को अपनी ताकत का अहसास करा सकता है तो ऐसा हमला बर्दास्त नहीं है चाहे क़ोई भी हो भारत को इसका करारा ज़बाब देना चाहिए हम भगवान राम के मार्गदर्शन पर चलने वाले मान और मर्यादा से रहने वाला शांति प्रिय देश है तो हमें अपने लोगों की रक्षा का पूर्ण अधिकार है भारत को इसे गंभीरता से लेकर जबाबी कार्यवाही करना चाहिए अमेरिका क्या कर रहा है नहीं कर रहा है ऐ दो देशों का अंदरूनी मामला है इसमें भारत का क़ोई रोल नहीं है भारत एक शान्तिप्रिय देश है और भारत माँ की रक्षा के लिए मर मिटने वाला देश है ऐ हमला बिल्कुल जायज नहीं है इसपर भारत को कड़ा रुख अपनाना चाहिए ईरान की आबादी 9 करोड़ है और भारत की आबादी 140 करोड़ है इसे यदि हल्के में लिया गया तो परोसी दुश्मन मुल्क मज़ाक उड़ा सकता है क्योंकि उसके जहाज आ रहे हैँ हम अपनी रक्षा के लिए आत्मनिर्भर हैं आतंकी हमला बर्दास्त नहीं है। भारत परमाणु संपन्न देश है और भारतीयों की रक्षा के लिए भारतीय सेना पूरे विश्व में अव्वल है ।

बंगाल में SIR: निशाने पर मुसलमान

मोहम्मद हफीज़ुद्दीन

पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची की विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया (SIR) ने लोकतांत्रिक व्यवस्था की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उपलब्ध आंकड़े यह संकेत देते हैं कि इस प्रक्रिया के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय, विशेष रूप से मुसलमानों को असंगत रूप से निशाना बनाया जा रहा है, जो न केवल चुनावी न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है बल्कि संवैधानिक अधिकारों का भी स्पष्ट उल्लंघन है। आंकड़ों के विश्लेषण से जो तस्वीर सामने आती है, वह बेहद चिंताजनक है। नंदीग्राम जैसे संवेदनशील क्षेत्र में, जहां मुस्लिम आबादी लगभग 25 प्रतिशत है, वहां हटाए गए मतदाताओं में से 95.5 प्रतिशत मुसलमानों का होना महज संयोग नहीं लगता, बल्कि यह एक सुनियोजित और पक्षपातपूर्ण प्रक्रिया की ओर इशारा करता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता सूची वह बुनियादी दस्तावेज होती है जो नागरिकों के मतदान के अधिकार की गारंटी देती है, लेकिन जब उसी सूची के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाए, तो पूरा चुनावी ढांचा अपनी विश्वसनीयता खो देता है। यह समस्या केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे राज्य में इसकी गूंज सुनाई दे रही है। जानकारी के अनुसार लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं, जिनमें बड़ी संख्या अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित है। विशेष रूप से मुर्शिदाबाद जैसे मुस्लिम बहुल जिले में सबसे अधिक नामों का हटाया जाना इस आशंका को और मजबूत करता है कि यह प्रक्रिया महज तकनीकी या प्रशासनिक त्रुटियों का परिणाम नहीं, बल्कि एक विशेष समुदाय को राजनीतिक रूप से कमजोर करने की कोशिश हो सकती है। इसी संदर्भ में उत्तर दिनाजपुर जिले की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। अगर इस्लामपुर विधानसभा क्षेत्र के आंकड़ों पर नजर डालें, तो स्थिति और स्पष्ट हो जाती है। उपलब्ध डेटा के अनुसार इस्लामपुर सब-डिवीजन में प्रारंभिक मतदाताओं की संख्या 8,47,352 थी, जिसके बाद पुनरीक्षण प्रक्रिया में 3,34,344 मामलों को जांच (adjudication) के लिए लिया गया। इनमें से 2,13,759 को स्वीकार किया गया, जबकि 1,19,840 आवेदन खारिज कर दिए गए। कुल 3,33,599 मामलों का निपटारा किया गया, जबकि 745 अभी भी लंबित हैं। इस पूरी प्रक्रिया के बाद मतदाताओं की कुल संख्या 10,61,111 बताई गई है। ये आंकड़े संकेत देते हैं कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया असामान्य रूप से मुसलमानों को प्रभावित कर रही है। अगर स्थानीय स्तर पर गुंजरिया ग्राम पंचायत के आंकड़ों का विश्लेषण किया जाए, तो स्थिति और भी गंभीर नजर आती है। विभिन्न पार्ट नंबरों में हटाए गए मतदाताओं का विवरण इस प्रकार है: पार्ट नंबर 181 में 221 मतदाता हटाए गए जबकि 767 सक्रिय हैं; पार्ट नंबर 182 में 91 हटाए गए और 439 सक्रिय; पार्ट नंबर 183 में 170 हटाए गए और 718 सक्रिय; पार्ट नंबर 184 में 89 हटाए गए और 702 सक्रिय; तथा पार्ट नंबर 185 में 168 मतदाता हटाए गए जबकि 683 सक्रिय हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि एक ही ग्राम पंचायत में सैकड़ों मतदाताओं को सूची से बाहर कर दिया गया है, जो यह दर्शाता है कि यह प्रक्रिया जमीनी स्तर तक कितनी व्यापक रूप से लागू की जा रही है। ये स्थानीय और राज्य स्तरीय आंकड़े मिलकर एक बड़ी तस्वीर पेश करते हैं, जिसमें मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नाम पर बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने की प्रक्रिया दिखाई देती है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां मुस्लिम आबादी अधिक है, इस तरह की कार्रवाइयां लोकतांत्रिक भागीदारी को बढ़ाने के बजाय राजनीतिक हाशियाकरण को बढ़ावा देती हैं। यह स्थिति न केवल चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकती है, बल्कि प्रतिनिधित्व के संतुलन को भी बिगाड़ सकती है। इस पूरे मामले का सबसे चिंताजनक पहलू वह है जो न्यायिक हस्तक्षेप के बाद सामने आया है। कांग्रेस उम्मीदवार महताब शेख के नाम की बहाली इस बात का प्रमाण है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण में गंभीर खामियां मौजूद हैं। जब चुनाव आयोग किसी उम्मीदवार का नाम हटाने के लिए उचित कारण देने में असफल रहता है, तो इससे संस्था की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं और जनता का भरोसा भी कमजोर होता है। इसके अलावा, लाखों मतदाताओं को पूरी तरह से सूची से बाहर कर देना एक ऐसा कदम है जो लोकतांत्रिक अधिकारों की नींव को हिला देता है। मतदान करना हर नागरिक का मौलिक संवैधानिक अधिकार है, और इस अधिकार से वंचित करना उसकी राजनीतिक पहचान को खत्म करने के समान है। जब किसी विशेष समुदाय को बड़े पैमाने पर इस अधिकार से वंचित किया जाता है, तो यह प्रक्रिया न केवल अलोकतांत्रिक बल्कि भेदभावपूर्ण भी मानी जाती है। यह स्थिति इस बात की मांग करती है कि इस पूरी प्रक्रिया की तुरंत और निष्पक्ष जांच कराई जाए। एक स्वतंत्र जांच आयोग ही यह निर्धारित कर सकता है कि नाम वास्तव में तकनीकी कारणों से हटाए गए या इसके पीछे कोई सुनियोजित रणनीति थी। साथ ही यह भी आवश्यक है कि मतदान से पहले सभी पात्र मतदाताओं के नाम बहाल किए जाएं, ताकि कोई भी नागरिक अपने अधिकार से वंचित न रह जाए। चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक संस्थान की यह जिम्मेदारी है कि वह न केवल पारदर्शिता सुनिश्चित करे, बल्कि जनता के विश्वास को भी बहाल करे। इस मुद्दे का एक और महत्वपूर्ण पहलू सामाजिक और राजनीतिक सद्भाव से जुड़ा है। जब किसी समुदाय को यह महसूस होता है कि उसे व्यवस्थित रूप से लोकतांत्रिक प्रक्रिया से बाहर किया जा रहा है, तो स्वाभाविक रूप से असंतोष और अविश्वास पैदा होता है। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए बल्कि राष्ट्रीय एकता के लिए भी हानिकारक हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि सभी लोकतांत्रिक शक्तियां इस मुद्दे को गंभीरता से लें और इसके समाधान के लिए एकजुट होकर आवाज उठाएं। यह कहना गलत नहीं होगा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची की इस विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया ने लोकतांत्रिक मूल्यों की परीक्षा की स्थिति पैदा कर दी है। यदि इस मुद्दे को समय रहते निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ हल नहीं किया गया, तो इसके प्रभाव न केवल वर्तमान चुनावों पर बल्कि भविष्य के लोकतांत्रिक ढांचे पर भी पड़ सकते हैं। समय की मांग है कि न्याय, समानता और पारदर्शिता के सिद्धांतों को प्राथमिकता दी जाए और हर नागरिक को बिना किसी भेदभाव के उसके मतदान के अधिकार की पूरी गारंटी दी जाए। यही एक मजबूत और सच्चे लोकतंत्र की नींव है।

सचिव, गुंजरिया इत्तेहाद वेलफेयर सोसाइटी
hafiznoori1987@gmail.com

नारी सम्मान की पुकार में विपक्ष की पराजय और संघर्ष में भी विजय का विश्वास

लेखक-कांतिलाल मांडोत

देश की राजनीति के वर्तमान दौर में महिला आरक्षण और परिसीमन का मुद्दा केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं बल्कि जनभावनाओं और राजनीतिक दृष्टिकोण का आईना बनकर सामने आया है इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कौन वास्तव में नारी सशक्तिकरण के साथ खड़ा है और कौन इस विषय को केवल राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रहा है। संसद में जो कुछ हुआ और उसके बाद जिस प्रकार से बयानबाजी और रणनीतियां सामने आईं उसने लोकतंत्र की परिपक्वता और दलों की मंशा दोनों को उजागर कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पीड़ा और प्रतिबद्धता के साथ देश को संबोधित किया वह केवल एक नेता का वक्तव्य नहीं बल्कि एक जिम्मेदार नेतृत्व का संकेत था। उन्होंने यह स्वीकार किया कि महिला आरक्षण विधेयक पारित न हो पाने का उन्हें दुख है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह संघर्ष यहीं समाप्त नहीं होगा बल्कि और अधिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ेगा यह दृष्टिकोण जनता के भीतर विश्वास पैदा करता है कि प्रयास सच्चे हैं और दिशा स्पष्ट है। विपक्षी खेमे मेराहुल,प्रियंका और सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे जैसे नेताओं की बैठकों और प्रेस वार्ताओं ने यह दर्शाया कि वे इस मुद्दे को जनहित की बजाय राजनीतिक अवसर के रूप में अधिक देख रहे हैं ।महिला आरक्षण जैसे संवेदनशील विषय पर स्पष्ट और ठोस समर्थन देने के बजाय उन्होंने शर्तों और संशोधनों की बात कर अपने रुख को कमजोर किया है। यह जनता के सामने उनकी प्राथमिकताओं को उजागर करता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि विपक्ष अब यह कह रहा है कि पुराने विधेयक को वर्तमान सीटों पर लागू किया जाए लेकिन जब अवसर था तब उन्होंने उसी विधेयक को समर्थन क्यों नहीं दिया। यह प्रश्न आज भी अनुत्तरित है। जनता इस विरोधाभास को भलीभांति समझ रही है और यह स्थिति विपक्ष की विश्वसनीयता को कमजोर करती है। परिसीमन के मुद्दे पर भी जिस प्रकार से भ्रम फैलाने की कोशिश की गई वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ न्याय नहीं है यह एक संवैधानिक व्यवस्था है जिसका उद्देश्य प्रतिनिधित्व को संतुलित करना है। लेकिन इसे क्षेत्रीय असंतुलन और राजनीतिक नुकसान के रूप में प्रस्तुत करना केवल जनता को भ्रमित करने का प्रयास प्रतीत होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में इस भ्रम को दूर करने का प्रयास किया और यह स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया सभी राज्यों के लिए समान रूप से लागू होती है। इस पूरे घटनाक्रम में भाजपा और एनडीए की रणनीति अधिक स्पष्ट और संगठित दिखाई देती है जहां एक ओर वे संसद में अपने प्रयासों के माध्यम से विधेयक को पारित कराने की कोशिश कर रहे थे। वहीं दूसरी ओर अब वे जनता के बीच जाकर इस विषय को समझाने का संकल्प ले रहे हैं। यह सक्रियता और आत्मविश्वास यह दर्शाता है कि वे इस मुद्दे को केवल राजनीतिक लाभ के लिए नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन के रूप में देखते हैं। विपक्ष द्वारा देशभर में अभियान चलाने और सरकार के खिलाफ वातावरण बनाने की बात यह दर्शाती है कि वे संसद में अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाने में असफल रहे अब वे सड़कों पर संघर्ष के माध्यम से अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं ,लेकिन आज की जागरूक जनता केवल नारों और आरोपों से प्रभावित नहीं होती वह कार्य और नीयत दोनों को परखती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में जिस प्रकार से परिवारवाद और स्वार्थी राजनीति का उल्लेख किया वह भारतीय राजनीति की एक पुरानी समस्या की ओर संकेत करता है ।जब निर्णय समाज के व्यापक हित की बजाय कुछ परिवारों के हित में लिए जाते हैं, तब विकास और समान अवसर बाधित होते हैं ।महिला आरक्षण जैसे विषय ऐसे ढांचे के लिए चुनौती बनते हैं क्योंकि यह नई नेतृत्व क्षमता को जन्म देता है और सत्ता के केंद्रीकरण को तोड़ता है। इस पूरे प्रकरण ने यह भी स्पष्ट किया है कि आज की नारी केवल दर्शक नहीं है वह सक्रिय रूप से राजनीति और समाज को समझ रही है। वह यह देख रही है कि कौन उसके अधिकारों के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रहा है और कौन केवल दिखावे की राजनीति कर रहा है। यह जागरूकता भविष्य के राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करेगी। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के लिए यह स्थिति एक बड़ी राजनीतिक चुनौती के रूप में सामने आई है ।उनकी रणनीति में स्पष्टता की कमी और उनके बयानों में विरोधाभास ने उन्हें कमजोर स्थिति में ला खड़ा किया है ।यह कहना गलत नहीं होगा कि इस मुद्दे पर उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा है यह हार केवल संसद में नहीं बल्कि जनमानस में भी दिखाई दे रही है। दूसरी ओर एनडीए के लिए यह एक अलग प्रकार की स्थिति है, जहां विधेयक पारित न हो पाने के बावजूद उन्होंने नैतिक और वैचारिक स्तर पर एक मजबूत स्थान प्राप्त किया है।

श्रेयस ने खोला राज

ड्रेसिंग रूम की सिक्स हिटिंग चैलेंज बनी जीत की वजह

नईदिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊ सुपर ज्वाइंट्स को 54 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब ने 254/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। इसके जवाब में रुस्त 200/5 ही बना सकी और मुकाबला एकतरफा हो गया।

आर्य-कोनॉली की रिकॉर्ड साझेदारी

इस जीत के हीरो रहे प्रयांस और कूपर , जिन्होंने दूसरे विकेट के लिए 182 रन की जबरदस्त साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों ने सिर्फ 13.2 ओवर में यह साझेदारी कर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया और विपक्षी टीम को दबाव में ला दिया।

अय्यर का बड़ा बयान

मैच के बाद कप्तान श्रैयस अय्यर ने कहा, जो शॉट्स मैंने देखे, वो सच में हैरान कर देने वाले थे। खासकर तेज गेंदबाजों को बैकफुट से सीधे मारना काफी हिम्मत का काम है। जिस तरह उन्होंने मिडिल ओवर्स में साझेदारी बनाई, वह शानदार था। उन्होंने दोनों बल्लेबाजों की तारीफ करते हुए उनकी बेखौफ बल्लेबाजी को टीम की सफलता की कुंजी बताया।

ड्रेसिंग रूम की 'सिक्स हिटिंग चैलेंज'

अय्यर ने खुलासा किया कि टीम के अंदर एक मजेदार मुकाबला चल रहा है, जिसने बल्लेबाजों को खुलकर खेलने के लिए प्रेरित किया। मैंने प्रियांश और कूपर से कहा कि आईपीएल में देखते हैं कौन ज्यादा छक्के मारता है। इनाम मेरी बैट होगी। अगर टीम अच्छा कर रही है, तो मैं खुश हूं। इस हल्के-फुल्के चैलेंज ने खिलाड़ियों के अंदर आत्मविश्वास और आक्रामकता को बढ़ाया।

एशियाई खेल और वेस्टइंडीज सीरीज के लिए बीसीसीआई का मास्टर प्लान तैयार

एक साथ खेलेंगी दो भारतीय टीमें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अब टी20 क्रिकेट के लिए 30-35 खिलाड़ियों का एक विशाल पूल तैयार कर रहा है। इसके पीछे मुख्य कारण इस साल के अंत में होने वाला शेड्यूलिंग ओवरलैप है। दरअसल, इस साल एशियाई खेल और भारत बनाम वेस्टइंडीज टी20 सीरीज एक ही समय पर होने वाली है। ऐसे में चयनकर्ता दो अलग-अलग प्रतिस्पर्धी टीमें तैयार कर रहे हैं ताकि भारत एक ही समय में दो अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेल सके। बोर्ड का मानना है कि ओलंपिक 2028 को ध्यान में रखते हुए अब टीम की गहराई और लचीलेपन को बढ़ाना अनिवार्य हो गया है।

इस बड़ी योजना की आधिकारिक शुरुआत जून 2026 में होने वाले आयरलैंड दौरे से होगी। आयरलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए बीसीसीआई एक बड़ा दल भेजेगा, जिसमें मुख्य खिलाड़ियों के साथ-साथ कई नए चेहरों को शामिल किया जाएगा। इस दौरे का उद्देश्य उन खिलाड़ियों को

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परखना है जो एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। यह प्रयोग आगामी अफगानिस्तान सीरीज और अन्य महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों के लिए एक मजबूत बैकअप तैयार करने में मदद करेगा।

इन युवा सितारों पर टिकी हैं सबकी नजरें

चयनकर्ता इस समय आईपीएल 2026 में धूम मचा रहे खिलाड़ियों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। बल्लेबाजी में वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, प्रियांश आर्य और अंगकृष रघुवंशी जैसे युवा खिलाड़ियों ने प्रभावित किया है। वहीं रजत पाटीदार और आयुष बदोनी भी अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं। ऑलराउंडर विभाग में शशांक सिंह और अनुकूल रॉय जैसे खिलाड़ी टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं। गेंदबाजी में रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा, कार्तिक त्यागी और खलील अहमद जैसे नाम इस 35 सदस्यीय पूल का हिस्सा हो सकते हैं।

बेखौफ बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत को चौंका रहे हैं वैभव

सुनील नरेन के खिलाफ वह किया जो कोहली-रोहित सालों में नहीं कर सके

कोलकाता (एजेंसी)। ईडन गार्डन्स में रविवार को खेले गए मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के 15 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी बेखौफ बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत को चौंका दिया। जहां क्रिकेट के दो सबसे बड़े दिग्गज, विराट कोहली और रोहित शर्मा, सुनील नरेन की फिरकी के सामने छक्के लगाने के लिए संघर्ष करते रहे हैं, वहीं वैभव ने इस मिस्ट्री को सुलझाने में सिर्फ दो गेंदें लीं। आंकड़ों पर नजर डालें तो विराट कोहली ने नरेन के खिलाफ 17 पारियों में और रोहित शर्मा ने 22 पारियों में केवल 2-2 छक्के लगाए हैं। इसके विपरीत, वैभव सूर्यवंशी ने नरेन का सामना करते हुए अपनी पहली ही पारी की दूसरी गेंद पर गगनचुंबी छक्का जड़कर इतिहास रच दिया।

पहली ही गेंद पर प्रहार, वैभव की खास सिग्नेचर स्टाइल

वैभव सूर्यवंशी की सबसे बड़ी पहचान दुनिया के सबसे घातक गेंदबाजों की पहली ही गेंद पर बाउंड्री जमाना बन गई है। इस युवा बल्लेबाज ने जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज की पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा है, जो किसी भी बल्लेबाज के लिए एक सपने जैसा होता है। इसके अलावा उन्होंने भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, मोहम्मद सिराज और मार्को जानसेन जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाजों को भी अपनी पहली ही गेंद पर चौके या छक्के का स्वाद चखाया है। वैभव ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत भी शार्दुल ठाकुर की पहली गेंद पर छक्का मारकर ही की थी, जो उनके निडर स्वभाव को दर्शाता है।

आईपीएल 2026 में रनों का अंबार

राजस्थान रॉयल्स के लिए वैभव इस सीजन में सबसे बड़े मैच विनर बनकर उभरे हैं। वह वर्तमान में आईपीएल 2026 के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने अब तक 6 मैचों में 41 की औसत और 236.53 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट के साथ 246 रन बनाए हैं। उनके 13 मैचों के छोटे से करियर पर नजर डालें तो उन्होंने 220 के स्ट्राइक रेट से 498 रन बना लिए हैं, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि वैभव ने अब तक अपने करियर में 42 चौकों के मुकाबले 44 छक्के लगाए हैं, जो उनकी पावर-हिटिंग क्षमता का प्रमाण है।

18 नेशनल कैंप के लिए 84 खिलाड़ियों का किया ऐलान, भोपाल में होगी तैयारी

भोपाल (एजेंसी)। हाकी इंडिया ने अंडर-18 नेशनल कोचिंग कैंप के लिए कुल 84 खिलाड़ियों (42 पुरुष और 42 महिला) की घोषणा की है। यह कैंप स्पोर्ट्स ऑथीरिटी आफ इंडिया (साई) भोपाल में आयोजित किया जाएगा। खिलाड़ियों का चयन हाल ही में हुए सब-जूनियर नेशनल चैंपियनशिप के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।

एशिया कप 2026 की तैयारी पर फोकस

यह कैंप जापान में होने वाले -18 एशिया कप 2026 की तैयारी के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। एक हफ्ते के मूल्यांकन के बाद 42-42

खिलाड़ियों की सूची को घटाकर 24-24 खिलाड़ियों तक किया जाएगा, जो आगे के ट्रेनिंग ब्लॉक का हिस्सा बनेंगे। यह प्रक्रिया अंतिम टीम चयन के लिए महत्वपूर्ण होगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अभ्यास मुकाबले

कैंप का सबसे खास हिस्सा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक्सपोजर सीरीज होगी, जहां भारतीय पुरुष और महिला -18 टीमें 11 से 21 मई के बीच मुकाबले खेलेंगी। इन मैचों से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलेगा और एशिया कप से पहले उनकी तैयारी मजबूत होगी।महिला टीम की जिम्मेदारी पूर्व कप्तान रानी रामपाल संभालेंगी, जबकि पुरुष टीम को सरदार सिंह और कोच राजनिश मिश्रा ट्रेनिंग देंगे। दोनों ही कोच युवा खिलाड़ियों को आधुनिक हॉकी के हिसाब से तैयार करने पर जोर देंगे।

आईपीएल में हुआ है 'काला जादू'...

नीबू के छूमंतर करते ही शिवम दुबे OUT, पूर्व आईपीएल चेयरमैन का खुलासा, कई बार हो चुका ब्लेक जादू

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच आईपीएल 2026 के एक मैच का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सामने आए वीडियो के अनुसार, शनिवार को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में एक प्रशंसक ने कथित तौर पर काला जादू किया और उसका असर। सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच आईपीएल 2026 के एक मैच का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

सामने आए वीडियो के अनुसार, शनिवार को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में एक प्रशंसक ने नींबू के साथ कथित तौर पर काला जादू किया और उसका असर तुरंत दिखाई दिया। फैंस के नींबू वाले जादू के बाद, कैमरा पिच के बीचोंबीच गया और वहां जो हुआ उसने सभी को चौंका दिया। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज साकिब हुसैन ने एक तेज फुल लेंथ गेंद फेंकी और चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज शिवम दुबे के स्टंप उखाड़ दिए। इस मैच में सीएसके को 10 रन से करीबी हार का सामना करना पड़ा।

इसके बाद एक लेटर वायरल हुआ, जिसमें सीएसके ने बीसीसीआई को खिलाड़ियों पर काले जादू करने की शिकायत की है। इतना ही नहीं इस पूरे मामले पर अब पूर्व आईपीएल चेयरमैन ललित मोदी का बयान सामने आया है। उन्होंने इस वायरल वीडियो को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर शेयर किया। उन्होंने कहा कि यह मामला इस बार नकली या बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया लग रहा है, लेकिन उन्होंने यह भी दावा किया कि पहले आईपीएल में ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं।

व्यापार

हलचल तेज, भारत के एक दर्जन अधिकारी 20 अप्रैल को पहुंचेंगे अमेरिका

नई दिल्ली, एजेंसी। हलचल अचानक बढ़ गई है। भारत के लगभग एक दर्जन अधिकारी 20 अप्रैल को वॉशिंगटन पहुंच जाएंगे। दोनों देशों (भारत और अमेरिका) के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर तीन दिन की वार्ता के लिए वे वॉशिंगटन पहुंचेंगे। 20 से 22 अप्रैल तक होने वाली इस बातचीत का नेतृत्व भारत के मुख्य वार्ताकार दर्पण जैन करेंगे। वह वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव हैं। इस टीम में सीमा शुल्क विभाग और विदेश मंत्रालय के अधिकारी भी शामिल होंगे। यह अपडेट ऐसे समय आया है जब हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरकिी राष्ट्रपतत डोनाल्ड ट्रंप के बीच बातचीत हुई थी। एक अधिकारी ने बताया कि चूंकि अमेरिका में टैरिफ फ्रेमवर्क बदल गया है। लिहाजा, दोनों पक्ष उस समझौते पर फिर से विचार कर सकते हैं, जिसका मसौदा सात फरवरी को जारी किया गया था। बैठक 20-22 अप्रैल तक वॉशिंगटन डीसी में होगी। भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। सीमा शुल्क और विदेश मंत्रालय के अधिकारी भी भारतीय दल का हिस्सा हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कई देशों पर लगाए गए टैरिफ के खिलाफ अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था। इस फैसले के बाद डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने 24 फरवरी से 150 दिन के लिए सभी देशों पर 10 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। अधिकारी ने कहा, 'बैठक 20-22 अप्रैल तक वॉशिंगटन डीसी में होगी। भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। सीमा शुल्क और विदेश मंत्रालय के अधिकारी भी भारतीय दल का हिस्सा हैं।'

इसके अलावा, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की ओर से शुरू की गई जांच पर भी इस दौरान चर्चा हो सकती है। भारत ने व्यापार कानून की धारा 301 के तहत इन जांच में लगाए गए आरोपों को कड़ाई से खारिज कर दिया है। साथ ही जांच को खत्म करने की अपील की है। हालांकि, इसके बाद 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के रेसिप्रोकल टैरिफ के खिलाफ फैसला सुनाया।

इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने 24 फरवरी से सभी देशों पर 10 फीसदी टैरिफ की घोषणा कर दी। इन बदलावों के कारण फरवरी में होने वाली मुख्य वार्ताकारों की बैठक स्थगित कर दी गई थी। अब वे 20 अप्रैल, 2026 को वॉशिंगटन में मिल रहे हैं।

सूत्र ने कहा, 'हमारे मामले में चूंकि समझौते पर अभी तक हस्ताक्षर नहीं हुए हैं, इसलिए हमारे पास यह विकल्प मौजूद है कि हम अभी जो भी बदलाव जरूरी हैं, उन्हें कर सकते हैं।' इसके साथ ही, भारत के व्यापार पैटर्न में भी बदलाव देखने को मिले हैं। 2025-26 में चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया है। इसने अमेरिका की जगह ले ली है। अमेरिका 2024-25 तक लगातार चार सालों तक इस पायदान पर काबिज था।

ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले वित्त वर्ष में अमेरिका को भारत का निर्यात थोड़ा 0.92 प्रतिशत बढ़कर 87.3 अरब डॉलर हो गया।

सोने का भाव 1500 से अधिक टूटा, चांदी 5000 हो गई सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीएक्स से सोमवार, 20 अप्रैल को शुरुआती कारोबार में सोने की कीमतों में 1 प्रतिशत की गिरावट आई। सुबह करीब 9:10 बजे एमसीएक्स पर सोने का भाव 1500 रुपये से अधिक गिरकर 1,53,030 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था, जबकि चांदी का भाव 2,53,168 प्रति किलोग्राम पर आ गया। इसमें करीब 5000 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले सत्र में सोना 1,54,609 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था और चांदी 3.8 प्रतिशत की मजबूत बढ़त के साथ 2,58,079 प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इंटरनेशनल मार्केट में भी स्पॉट गोल्ड 0.4 प्रतिशत गिरकर 4,809.71 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। जबकि अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स (जून डिलीवरी) 1 प्रतिशत गिरकर 4,829.40 डॉलर पर आ गया। स्पॉट सिल्वर भी 0.5 प्रतिशत गिरकर 80.36 डॉलर प्रति औंस पर आ गई।

● गिरावट की आंच बिटकॉइन और इथेरियम से लेकर हाइपरलिक्विड और पाई नेटवर्क कॉइन तक पर आई

7 दिन में 200 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न, क्रिप्टोकरेंसी ने कर दी पैसों की बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में फिर से गिरावट आ गई है। पिछले 24 घंटे में क्रिप्टो ग्लोबल मार्केट कैप 1.30 प्रतिशत से ज्यादा गिर गया। इस गिरावट की आंच बिटकॉइन और इथेरियम से लेकर हाइपरलिक्विड और पाई नेटवर्क कॉइन तक पर आई। वहीं कुछ क्रिप्टो ने पिछले कुछ समय में जबरदस्त छलांग लगाई है। ऐसी ही एक क्रिप्टो जीनियस टर्मिनल है। इसने निवेशकों पर पैसों की बारिश कर दी है। सोमवार सुबह करीब 9:30 बजे क्रिप्टो ग्लोबल मार्केट कैप 2.52 ट्रिलियन डॉलर पर था। हालांकि 24 घंटे में फीयर एंड ग्रीड इंडेक्स में एक अंक की तेजी आई है। इसके साथ यह इंडेक्स 51 पर पहुंच गया है। वहीं पिछले हफ्ते के मुकाबले इसमें गिरावट आई है। पिछले हफ्ते यह इंडेक्स 51 पर था।

जीनियस टर्मिनल क्रिप्टो ने 7 दिनों में पैसों की बारिश कर दी है। पिछले एक हफ्ते में इस क्रिप्टो में करीब 227 फीसदी का उछाल आया है। यानी इन 7 दिनों में इसने एक लाख रुपये के निवेश को 3 लाख रुपये से ज्यादा में बदल दिया है। हालांकि पिछले 24 घंटे में इसमें गिरावट आई है। इस दौरान यह क्रिप्टो 6 फीसदी से ज्यादा गिरकर 0.6271 डॉलर रह गई। यानी अभी इसकी कीमत एक डॉलर से भी काफी कम है। बिटकॉइन में पिछले 24 घंटे में करीब डेढ़ फीसदी की गिरावट आई है। इस गिरावट के साथ बिटकॉइन की कीमत फिर से 75000 डॉलर के नीचे गिरकर 74,595 डॉलर पर आ गई है।

टाटा के ट्रस्ट में अब आसान होगी गैर-पारसियों की एंट्री, विवाद उठने के बाद नियमों में बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट्स का कहना है कि बाई हीराबाई ट्रस्ट के न्यासियों ने पात्रता मानदंडों में मौजूद प्रतिबंधात्मक प्रावधानों (जैसे गैर यहूदियों के ट्रस्टी बनने पर रोक) को बदलने के लिए उचित प्राधिकरण के समक्ष कार्यवाही शुरू करने का निर्णय लिया है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब कुछ दिन पहले टाटा ट्रस्ट्स के पूर्व ट्रस्टी मेहली मिस्त्री ने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर को दी गई एक शिकायत में दिग्गज उद्योगपति वेणु श्रीनिवासन और पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह की बाई हीराबाई जमशेदजी टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टिट्यूशन (बाई हीराबाई ट्रस्ट) के बोर्ड में नियुक्ति को चुनौती दी थी।

मिस्त्री ने दावा किया था कि श्रीनिवासन और सिंह ट्रस्ट डीड में निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं, जिसमें पारसी जरथुस्त्री धर्म का पालन और मुंबई में निवास की विशिष्ट शर्तें शामिल हैं। इस महीने की शुरुआत में टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी वेणु श्रीनिवासन ने व्यावसायिक व्यस्तताओं का हवाला देते हुए बाई हीराबाई ट्रस्ट से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन बाद में स्वीकार किया कि उन्होंने टाटा ट्रस्ट्स प्रबंधन के अनुरोध पर पद छोड़ा था।

टाटा ट्रस्ट्स ने एक बयान में कहा कि बाई हीराबाई ट्रस्ट के न्यासियों के बोर्ड की बैठक 17 अप्रैल, 2026 को टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल एन टाटा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में ट्रस्ट की गतिविधियों की समीक्षा के साथ ही मीडिया में ट्रस्ट से संबंधित हालिया बयानों पर चर्चा की गई। बयान में कहा गया, 'ट्रस्टियों ने ट्रस्ट डीड की विसंगतियों को दूर करने और इसे टाटा ट्रस्ट्स के उन मूल्यों के अनुरूप बनाने के लिए, जिनका वह हमेशा प्रतीक रहा है, न्यासियों की पात्रता के संबंध में प्रतिबंधात्मक शर्तों को बदलने के लिए उचित प्राधिकरण के समक्ष कार्यवाही शुरू करने का निर्णय लिया है।' ट्रस्टियों ने इस बात पर जोर दिया कि टाटा की विचारधारा हमेशा समावेशी, धर्मनिरपेक्ष और सर्वव्यापी रही है, जिसका ध्यान परोपकार और राष्ट्र सेवा पर केंद्रित है। टाटा ट्रस्ट्स ने कहा, 'भारत के एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश से प्राप्त कानूनी राय के बाद 2000 से गैर यहूदियों को लगातार ट्रस्ट में नियुक्त किया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)